RNINo.UPHIN/2016/70293

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

# अमित रेखा

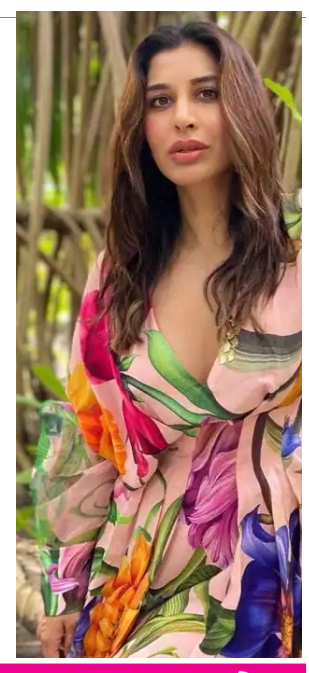

वर्ष 05 | अंक 144 | कुशीनगर | बुधवार 24 मार्च, 2021 | पृष्ठ 8 | मूल्य 1 रूपये



## भाजपा का मिशन बंगालः गृह मंत्री शाह बोले...

# बंगाल में लागू करेंगे सीएए

कोलकाता,(एजेंसी)। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लगी हुई हैं। जबकि मोदी जी आपका विकास करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। – क्ंपदपा ठींत गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि ममता दीदी भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लगी हुई हैं। जबकि मोदी जी आपका विकास करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के गोसाबा में रैली को संबोधित किया। शाह ने अपने भाषण की शुरुआत में शहीद दिवस के मौके पर भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों के विकास के लिए 115 स्कीम बनाई, लेकिन यहां ममता दीदी ने गरीबों को लूटने के लिए 115 स्कैम बनाए हैं। उन्होंने कहा कि ममता दीदी भतीजे को मुख्यमंत्री बनाने के लिए लगी हुई हैं। जबकि मोदी जी आपका विकास करने के लिए दिन रात लगे हुए हैं। गरीबों के हक का पैसा कट मनी वाले ले जाते हैं। इसे बंद करने का काम भाजपा की सरकार करेगी।



बंगाल में ब्।। लागू करेंगे उन्होंने कहार कि बंगाल में भाजपा की सरकार आई, तो ब्।। को लागू किया जाएगा। आज बंगाल की भूमि भ्रष्टाचार, तोलाबाजी का अड्डा बन गई है। हमारी सरकार बनने के बाद दो साल में इस इलाके में नल से पीने के पानी लाने की सुविधा कर दी जाएगी। ममता सरकार पर लगाए आरोप उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुंदरवन विकास बोर्ड की स्थापना करेगी और यहां के विकास को आगे बढ़ाएगी। जब अम्फान आया तब मोदीजी ने दस हजार करोड़ रुपए भेजा, लेकिन उसे भतीजा एंड कंपनी खा गई। सुंदरवन में हमारी सरकार एक एम्स बनवाएगी, साथ ही टूरिस्ट स्पॉट को तैयार करेगी। सुंदरवन को जिला बनाने का वादा किया शाह ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने 282 में से 82 वादे भी पूरे नहीं किए। दीदी अपना हिसाब नहीं देती है, लेकिन इस बार आप तृणमूल का हिसाब कर दीजिएगा। उन्होंने ऐलान किया कि भाजपा की सरकार बनी, तो हम एक ही साल में सुंदरवन को जिला बना देंगे। नड्डा भी बंगाल दौरे पर इसके बाद शाह मेदिनीपुर में एक रोड शो में हिस्सा लेंगे। वहीं, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी मंगलवार को बंगाल में होंगे, जहां वो घाटल में एक रोड शो करेंगे। इससे पहले उन्होंने असम के लिए भाजपा का मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें भाजपा ने गरीबों को 3–3 हजार रुपए देने का वादा किया। सरकारी स्कूल के बच्चों को फ्री शिक्षा, युवाओं को नौकरी और NCR जैसे बड़े वादे किए। बंगाल में 8 फेज में चुनाव पश्चिम बंगाल में इस बार 8 फेज में वोटिंग होगी। 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए वोटिंग 27 मार्च (30 सीट), 1 अप्रैल (30 सीट), 6 अप्रैल (31 सीट), 10 अप्रैल (44 सीट), 17 अप्रैल (45 सीट), 22 अप्रैल (43 सीट), 26 अप्रैल (36 सीट), 29 अप्रैल (35 सीट) को होनी है। काउंटिंग 2 मई को की जाएगी।

### ममता सरकार पर लगाए आरोप

उन्होंने कहा कि हमारी सरकार सुंदरवन विकास बोर्ड की स्थापना करेगी और यहां के विकास को आगे बढ़ाएगी। जब अम्फान आया तब मोदीजी ने दस हजार करोड़ रुपए भेजा, लेकिन उसे भतीजा एंड कंपनी खा गई। सुंदरवन में हमारी सरकार एक एम्स बनवाएगी, साथ ही टूरिस्ट स्पॉट को तैयार करेगी।

### सुंदरवन को जिला बनाने का वादा किया

शाह ने ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि उन्होंने अपने 282 में से 82 वादे भी पूरे नहीं किए। दीदी अपना हिसाब नहीं देती है, लेकिन इस बार आप तृणमूल का हिसाब कर दीजिएगा। उन्होंने ऐलान किया कि भाजपा की सरकार बनी, तो हम एक ही साल में सुंदरवन को जिला बना देंगे।

### बंगाल में 8 फेज में चुनाव

पश्चिम बंगाल में इस बार 8 फेज में वोटिंग होगी। 294 सीटों वाली विधानसभा के लिए वोटिंग 27 मार्च (30 सीट), 1 अप्रैल (30 सीट), 6 अप्रैल (31 सीट), 10 अप्रैल (44 सीट), 17 अप्रैल (45 सीट), 22 अप्रैल (43 सीट), 26 अप्रैल (36 सीट), 29 अप्रैल (35 सीट) को होनी है। काउंटिंग 2 मई को की जाएगी।



मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 27 मार्च को शहीद अशफाक उल्ला खां प्राणि उद्यान ख्चिड़ियाघरख् का लोकार्पण करेंगे। इस संबंध में जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। प्रदेश का सबसे बड़ा चिड़ियाघर बनवाकर सीएम योगी ने गोरखपुरवासियों को नायाब तोहफा दिया है। इसका लाभ पूरे पूर्वांचल सहित बिहार और नेपाल के लोगों को मिलेगा।

# भीषण सड़क हादसे में 12 महिलाओं सहित 13 की मौत

ग्वालियर। मध्यप्रदेश के ग्वालियर जिले के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में सुबह बस व आटो के बीच हुई जबर्दस्त टक्कर में आटो में सवार 12 महिलाओं सहित आटो चालक कुल 13 लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार उक्त सभी महिलाएं आंगनबाड़ी में खाना बनाने का कार्य करती थी। यह महिलाएं आंगनबाड़ी में अपना काम निपटा कर वापस सभी अपने घर लौट रही थीं, तभी एक ऑटो रास्ते में खराब हो गया जिसके कारण सभी महिलाओं को एक ही आटो में बैठना पड़ा। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस दुर्घटना में 9 महिलाएं तथा ऑटो चालक की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। तीन घायल महिलाओं को अस्पताल इलाज के लिए ले जाया गया, किंतु इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। समाचार लिखे जाने तक मृतकों के शवों की शिनाख्ती की प्रक्रिया की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस प्रशासन के अधिकारी घटना स्थल पहुंचकर इस घटना की जांच कर रहे है। मध्यप्रदेश सरकार की ओर से मृतकों के परिजनों को चार–चार लाख रुपये व घायलों को पचास–पचास हजार रुपये की आर्थिक सहायता उपब्लध कराने की घोषणा की गई है। प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इस घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के प्रति अपनी गहरी शोक–संवेदना व्यक्त की है।

## महामारी के दौरान भारत मजबूत होकर उभराः पीएम

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाजपा सांसदों से मंगलवार को कहा कि महामारी के दौरान सीमाओं पर तनाव, चक्रवातों और भूकंप जैसी कठिनाइयों के बावजूद भारत मजबूत होकर उभरा तथा पूरी दुनिया ने इसके सामर्थ्य को महसूस किया।

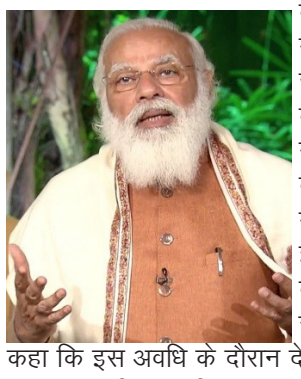



केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मोदी के संबोधन से संबंधित यह जानकारी दी। भाजपा संसदीय दल की बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि उन्होंने महामारी के दौरान इन सब चुनौतियों का मुकाबला किया और देश ने भी इन्हें पराजित किया। मेघवाल ने कहा, ''महामारी के अपने अनुभव साझा करते हुए मोदी ने सांसदों से कहा कि इस अवधि के दौरान देश ने न सिर्फ वायरस की चुनौती का सामना किया, बल्कि अन्य मोर्चों पर भी चुनौतियों का सामना किया। एलएसी पर तनाव था, चक्रवात, भूकंप आए और फिर टिड्डी दल ने हमला कर दिया, लेकिन इन सभी कठिनाइयों के बावजूद देश मजबूत होकर उभरा तथा पूरी दुनिया ने इसके सामर्थ्य को महसूस किया।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने यह भी उल्लेख किया कि वह दो दशक से अधिक समय से सार्वजनिक पद पर हैं, पहले मुख्यमंत्री के रूप में और अब प्रधानमंत्री के रूप में, तथा उन्होंने एक भी दिन का अवकाश नहीं लिया है।

# लोन मोरेटोरियम पर सुप्रीमकोर्ट का फैसला

## सरकार की पॉलिसी पर दखल देने से किया इनकार

नई दिल्ली। लोन मोरेटोरियम मामले में आज मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट का एक बड़ा फैसला आया। कोर्ट ने सरकार की लोन मोरेटोरियम पॉलिसी पर दखल देने से इनकार कर दिया। साथ ही न्यायालय ने लोन मोरेटोरियम अवधि बढ़ाने से भी इनकार कर दिया है। इतना ही नहीं, उद्योगों को अलग से राहत का आदेश देने से भी मना कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि सरकार छोटे कर्जदारों का चक्रवृद्धि ब्याज पहले ही माफ कर चुकी है। इससे ज्यादा राहत देने के लिए कोर्ट आदेश नहीं दे सकता। महामारी की वजह से सरकार को भी कम टैक्स मिला है। इसलिए ब्याज को पूरी तरह से माफ नहीं किया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि आर्थिक नीति का क्या हो, राहत पैकेज क्या हो, ये सरकार और क्रक्चढ्ढ परामर्श के बाद तय करेगी। आर्थिक




नीतिगत मसलों पर स्ष्ट का दखल देना ठीक नहीं। सुप्रीम कोर्ट ने लॉकडाउन के दौरान बैंक ऋण पर वसूले जा रहे ब्याज पर ब्याज मामले में दखल देने से इंकार किया। कोर्ट ने आज फैसला सुनाते हुए कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वो आम जनता की सेहत, शिक्षा, आर्थिक स्थिति आदि पर ध्यान देते हुए बेहतर से बेहतर नीति बनाए। कोर्ट आर्थिक मामलों का विशेषज्ञ नहीं है।

## सीएम ने लोहिया, भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु को श्रद्धांजलि दी

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत विपक्ष के नेताओं ने समाजवादी चिंतक डॉक्टर राम मनोहर लोहिया की जयंती और आजादी की लड़ाई के महान क्रांतिकारी सरदार भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु के बलिदान दिवस पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी चिंतक लोहिया को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ट्वीट किया, "महान स्वाधीनता संग्राम सेनानी, प्रखर समाजवादी चिंतक, लोकप्रिय राजनेता, समतामूलक एवं प्रगतिशील समाज की स्थापना के प्रबल पैरोकार, लोकतंत्र के सशक्तिकरण हेतु आजीवन समर्पित डॉ. राम मनोहर लोहिया जी को उनकी जयंती पर कोटिशः श्रद्धांजलि।" मुख्यमंत्री ने अपने सिलसिलेवार ट्वीट में आजादी के नायकों को नमन करते हुए कहा, "अपने बलिदान से हर भारतीय के मन में स्वाधीनता की अलख जगाने वाले महान क्रांतिकारी, प्रखर देशभक्त, सरदार भगत सिंह, श्री सुखदेव और श्री राजगुरु के बलिदान दिवस पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।" उन्होंने कहा,"आप सभी का अमर बलिदान युगों–युगों तक हम सभी को राष्ट्र सेवा हेतु प्रेरित करता रहेगा।"

### केंद्रीय कैबिनेट का बड़ा फैसला

# 1 अप्रैल से 45 साल से ऊपर सभी को लगेगी कोरोना वैक्सीन

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रिमंडल की बैठक में बड़ा फैसला लिया गया है। केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावड़ेकर ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल ने फैसला किया है कि 1 अप्रैल से 45 साल से ऊपर के सभी लोग कोरोना की वैक्सीन लगवा सकते हैं। इस दौरान उन्होंने बताया कि वैक्सीनेशन प्रोग्राम अच्छी तरह से और तेजी से चल रहा है। अभी तक 4 करोड़ 85 लाख लोगों को वैक्सीन की खुराक दी गई है। जिनमें से 4 करोड़ लोगों को कोरोना की पहली खुराक लगी है जबकि 85 लाख लोग ऐसे हैं जिनको कोरोना की दूसरी खुराक भी दी जा चुकी है। सभी लोग रजिस्टर करें अपना नाम उन्होंने कहा कि एक अप्रैल के बाद 45 साल से ऊपर के हर व्यक्ति के लिए वैक्सीन उपलब्ध रहेगी। उसके लिए व्यक्ति को किसी भी तरह के प्रमाणपत्र की आवश्यकता नहीं होगी। इसके अलावा वैज्ञानिक आधार पर मंत्रिमंडल ने दूसरा निर्णय भी लिया है। उन्होंने बताया कि पहले बताया गया था कि पहली खुराक के बाद 4 से 6 हफ्ते के बीच में वैक्सीन की दूसरी खुराक लेनी चाहिए लेकिन अब वैज्ञानिकों ने कोविशील्ड की दूसरी खुराक में 4 से 8 हफ्तों के अंतर की बात कही है।

## राज्यों को अधिक टीके उपलब्ध करवाएः गहलोत

जयपुर,(एजेंसी)। राजस्थान व देश के अन्य राज्यों में कोरोना वायरस से संक्रमित होने वालों की संख्या में एक बार फिर तेजी से हो रही बढ़ोतरी पर चिंता जताते हुए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार को ज्यादा से ज्यादा लोगों के कोरोना वायरस प्रतिरक्षण टीकाकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से राज्यों को अधिकाधिक टीके उपलब्ध कराने की अपील की है। इसके साथ ही गहलोत ने राज्य की जनता से स्वास्थ्य संबंधी नियमों का पालन करने की अपील करते हुए आगाह किया कि अगर सतर्कता नहीं बरती तो सरकार को सख्त फैसले लेने ही पड़ेंगे। गहलोत ने ट्वीट किया,'' देश में कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। विशेषज्ञों की राय है कि भारत सरकार को ज्यादा से ज्यादा टीकाकरण पर फोकस करना चाहिए। अधिक से अधिक टीकाकरण से ही जनता कोरोना से सुरक्षित हो सकेगी।

## राहुल ने केरल में पीएम और पिनराई विजयन पर साधा निशाना, कही यह अहम बात

कोच्चि,(एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पेट्रोल व डीजल की बढ़ती कीमतों और आर्थिक नीतिओं को लेकर केंद्र की भाजपा नीत नरेंद्र मोदी सरकार पर सोमवार को निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह सरकार चलाने के लिए लोगों की जेब से जबरन पैसा निकाल रही है। गांधी ने केरल में छह अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए अपने प्रचार का दूसरा चरण शुरू कर किया है। गांधी ने "गहरे समंदर में मछली पकड़ने" के लिए अमेरिकी कंपनी से समझौता करने की राज्य की एलडीएफ सरकार की कथित कोशिश की आलोचना करते हुए कहा कि यह माकपा नीत सरकार की 'मंशा' दिखाता है। कांग्रेस नीत यूडीएफ के उम्मीदवारों के समर्थन में एर्नाकुलम और अलाप्पुझा जिलों में सभाओं को संबोधित करते हुए गांधी ने विश्वास व्यक्त किया कि यूडीएफ अगली सरकार बनाएगी क्योंकि उसने एनवाईएवाई योजना को लागू करने, कल्याणकारी पेंशन को 3,000 रुपये तक बढ़ाने और रबर, धान और नारियल के लिए एमएसपी बढ़ाने के वादे किए हैं। उन्होंने चुनावों के लिए पार्टी उम्मीदवारों की सूची भी सराहना करते हुए कहा कि वह तंत्र में युवाओं को लेकर आई है। केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना करते हुए उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा की गई नोटबंदी, त्रुटिपूर्ण जीएसटी लागू करना और कोविड–19 महामारी के कारण अर्थव्यवस्था 'ढह' गई। गांधी ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था को फिर से शुरू करने का तरीका लोगों को पैसा देकर उपभोग शुरू कराना था।

# सामूहिक उपवास किया गया– पदाधिकारियो ने लिया संकल्प

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

देवरिया। आज दिनांक 23 मार्च 2021 मंगलवार को दिन पर सामूहिक उपवास संध्या 5रू00 तक किया गया यह उपवास का कार्यक्रम बिहार

के 10रू00 बजे से महामहिम राज्यपाल के समक्ष सरकार द्वारा निर्धारित धरना स्थल गर्दनीबाग मैं राष्ट्रवादी विकास पार्टी के पदाधिकारियों के द्वारा सरदार भगत सिंह राजगुरु सुखदेव के शहादत दिवस एवं महान स्वतंत्रता सेनानी प्रख्यात समाजवादी आंदोलन के संस्थापक नेता डॉ राम मनोहर लोहिया के जन्मदिन के अवसर पर सामूहिक उपवास संध्या 5रू00 तक किया गया यह उपवास का कार्यक्रम बिहार निर्माता संविधान सभा भारत के प्रथम अध्यक्ष डॉ सच्चिदानंद सिन्हा के उपेक्षा किए जाने के विरोध एवं उन्हें भारत रत्न दिए जाने तथा पटना में उनकी प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग एवं बिहार में लोक शिकायत निवारण कानून सूचना अधिकार कानून के पूर्ण रूप से विफल होने तथा लोकायुक्त कानून में संशोधन कर शिकायतकर्ता के विरुद्ध जेल भेजे जाने एवं आर्थिक दंड लगाए जाने के प्रावधान किए जाने के विरुद्ध तथा सोशल मीडिया पर सरकारी अधिकारियों माननीय विधायक को माननीय मंत्रियों के खिलाफ कुछ बोलने लिखने के विरुद्ध जेल भेजे जाने के प्रावधान किए जाने के विरोध आयोजित किया गया उपवास करने वाले लोगों में श्री संजय रघुवर प्रदेश अध्यक्ष राष्ट्रवादी विकास पार्टी बिहार श्री लल्लन सिंह प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रवादी विकास पार्टी बिहार श्री राम आशीष पासवान उपाध्यक्ष राष्ट्रवादी विकास पार्टी बिहार अधिवक्ता श्री अजय कुमार अरोरा महा सचिव संगठन बिहार श्री प्रिया रंजन कुमार महासचिव बिहार श्री विनोद कुमार जिला अध्यक्ष पटना शहरी क्षेत्र श्री राकेश कुमार सिंह उपाध्यक्ष जिला शहरी क्षेत्र श्री संजय जयसवाल महासचिव जिला शहरी क्षेत्र श्री आनंद शंकर जिला प्रवक्ता जिला शहरी क्षेत्र श्री राम आशीष कुमार सिन्हा महासचिव जिला शहरी क्षेत्र श्री सुधीर कुमार सिन्हा कार्यालय सचिव बिहार श्रीमती रंजू देवी सुश्री खुशबू कुमारी इत्यादि ने उपवास रखा इस उपवास के माध्यम से जिला प्रशासन द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को उक्त विषय के संबंध में अलग–अलग ज्ञापन सौपे गए श्री प्रियरंजन कुमार एवं श्री राम आशीष सिन्हा के द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी को ज्ञापन उपलब्ध कराया गया उक्त संदर्भ में महामहिम राज्यपाल से प्रतिनिधिमंडल को मिलने का समय निर्धारण हेतु राज्यपाल जी के एडीसी के नाम श्री संजय रघुवर द्वारा संबोधित पत्र राजभवन को उपलब्ध कराया गया श्री सच्चिदानंद सिन्हा बिहार के निर्माता रहे हैं उनके लंबे संघर्ष के बाद 1912 में बिहार एक प्रदेश के रूप में अस्तित्व में आया उस समय उड़ीसा और झारखंड में बिहार राज्य में थे पटना का बिहार विधान सभा भवन बिहार विधान परिषद भवन पुराना सचिवालय भवन माननीय उच्च न्यायालय का भवन पटना हवाई अड्डा श्री सच्चिदानंद सिन्हा के द्वारा दी हुई जमीन में बनाए गए थे बिहार विद्यालय परीक्षा समिति का भवन शतानंद सिन्हा का निजी आवास था जिन्होंने शिक्षा के विस्तार के लिए स्वेच्छा से बिहार सरकार को सुपुर्द कर दिया था अपनी पत्नी श्रीमती राधिका सिन्हा के मरणोपरांत उनकी स्मृति में उनके द्वारा श्रीमती राधिका सिन्हा पुस्तकालय का निर्माण कराया गया था जो बिहार सरकार के तानाशाही रवैया के फल स्वरुप खात्मे के कगार पर है अभी बिहार सरकार के द्वारा लोकायुक्त कानून में जो संशोधन किए गए हैं इस कानून से कोई व्यक्ति किसी भी भ्रष्ट अधिकारी के खिलाफ किसी भी भ्रष्ट मंत्री के खिलाफ सरकार में जाने का साहस नहीं करेगा इसी तरह से सोशल मीडिया पर किसी भी प्रकार के अन्याय अत्याचार उत्पीड़न के खिलाफ कोई कुछ नहीं बोल पाएगा कुछ नहीं लिख पाएगा इस आदेश के खिलाफ राष्ट्रवादी विकास पार्टी अभियान चलाएगी इसी तरह से बिहार लोक शिकायत निवारण कानून सूचना अधिकार कानून बिहार में पूर्ण रूप से सरकारी अधिकारियों की अकर्मण्यता उनकी उदासीनता कागजों में कैद होकर आ गया है इसे सशक्त बनाने के लिए राष्ट्रवादी विकास पार्टी आंदोलन चलाएगी आज शहीद ए आजम भगत सिंह एवं उनके साथियों के शहादत दिवस पर तथा जन संघर्ष के बड़े नेता डॉ राम मनोहर लोहिया जी के जन्मदिन के अवसर पर राष्ट्रवादी विकास पार्टी के सभी पदाधिकारियों ने यह संकल्प लिया है।

## भटनी विकासखंड में महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का किया गया आयोजन

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

भटनी देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिला के भटनी ब्लॉक परिसर में सोमवार को भटनी विकासखंड परिसर में में

महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता श्रीमती आशा ओझा जी (जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा) ने किया इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री डॉक्टर संजीव शुक्ला जी विधायक प्रतिनिधि रामपुर कारखाना तथा श्रीमती विंदा कुशवाहा जिला (अध्यक्ष महिला मोर्चा) ने महिलाओं के सशक्तिकरण के बारे में सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी दिया इस कार्यक्रम का संचालन श्री शैलेंद्र कुमार मिश्र (मंडल महामंत्री) ने किया इस कार्यक्रम में श्री कृष्णदेव मिश्र श्री हितेंद्र तिवारी (पूर्व मंडल अध्यक्ष) श्री विशाल नाथ तिवारी (मंडल उपाध्यक्ष) श्री आशुतोष तिवारी श्री अशोक पांडे विकास खंड अधिकारी श्री रविंद्र सिंह (एडीओ पंचायत) विनोद दीक्षित (जिला कार्य समिति अध्यक्ष) रामेश्वर पांडे (मंडल अध्यक्ष बैकुंठपुर) व आंगनबाड़ी कार्यकर्ति व आशा कार्यकर्ति आदि गणमान्य लोगों की गरिमामई उपस्थिति रही।

# भर्तियों का फर्जी विज्ञापन निकाल बेरोजगारों को छल रहा था जालसाज, गिरफ्तार

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

भटनी देवरिया। प्राइवेट कंपनियों का फर्जी विज्ञापन निकाल कर बेरोजगार युवकों को छलने वाले जालसाज को देवरिया पुलिस ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। जालसाज ने बेरोजगारों को ठगने के लिए देवरिया के रुद्रपुर के अलावा कुशीनगर के हाटा में कार्यालय खोला हुआ था। एसपी डॉ. डॉ. श्रीपति मिश्र ने पत्रकारवार्ता में यह जानकारी दी। रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के करिहवां गांव के रहने वाले अभय कुमार पुत्र सुबास यादव ने नौकरी के नाम पर 850 रुपए की ठगी की शिकायत पुलिस से की थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी जांच साइबर सेल को दी गई। पुलिस की जांच में पता चला कि जालसाज ने इसी तरह सैकड़ों युवको को निशाना बनाया है। इसके बाद पुलिस

ने रुद्रपुर के दुग्धेश्वरनाथ मंदिर के समीप से जालसाज विनय कुमार पासवान पुत्र रामानन्द पासवान को दबोच लिया। वह मलमालिया थाना खोराबार जिला गोरखपुर का रहने वाला है।

**कंपनियों में भर्ती के इश्तेहार छाप करता था गुमराह**

पूछताछ में जालसाज विनय ने बताया कि स्काई लाईट ग्लोबल मैनेजमेन्ट प्रा.लि. कम्पनी का हिमालया कम्पनी एवं अन्य बड़ी कम्पनियों में नौकरी दिलाने के नाम पर फर्जी पम्पलेट छापकर स्वय उसे जगह–जगह चस्पा कर देता था। नौकरी के लिए बेरोजगारों के द्वारा फोन करने पर वह उनका साक्षात्कार लेने के नाम पर फर्जी रसीद देकर 850 रुपये वसूलता था। इसके बाद कम्पनियों में और अच्छी जगह पर काम लगवाने के नाम पर रुपये की मांग करता था। उसने रुद्रपुर के अलावा कुशीनगर के हाटा व गोरखपुर के पिपराईच कस्बे में फर्जी ऑफिस खोला है। कुछ दिनों में देवरिया के सीसी रोड एवं रामनाथ देवरिया में भी ऑफिस खोलने की तैयारी में था। रुद्रपुर कोतवाली में उसके खिलाफ केस दर्ज कर देर शाम जेल भेज दिया गया।

**लैपटॉप व मोबाइल की पुलिस कर रही है जांच**

जालसाज के पास से पुलिस ने 2 लैपटॉप, 1 मोबाइल फोन, स्काई लाईट ग्लोबल मैनेजमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड के 2 बैनर, हिमालया कम्पनी में डायरेक्ट भर्ती का 1 पम्पलेट, 2 ट्रेनिंग लेटर हिमालया कम्पनी, अलग अलग व्यक्तियों के नाम से कटे कुल 45 रशीद व झांसा देकर काटे गए रशीद बरामद किया। इसके अलावा उसके पास से 25 हजार रुपये, स्काई लाईट ग्लोबल मैनेजमेन्ट प्राइवेट लिमिटेड के 8 विजिटिंग कार्ड भी मिले हैं। लैपटॉप की जॉच से टाटा सहित विभिन्न बड़ी कम्पनियों के फर्जी ई–मेल आईडी मिला है। साइबर सेल इसकी जांच कर रही है।

**खुलासा करने वाली टीम में ये रहे शामिल**

खुलासा करने वाली टीम में रुद्रपुर के कोतवाल जितेन्द्र टंडन, साइबर सेल के प्रभारी मुकेश कुमार मिश्रा,रुद्रपुर के दरोगा प्रहलाद गौड़,हेड कांस्टेबल शिवमंगल यादव,कांस्टेबल प्रद्युम्न जायसवाल, राजेश कुमार तिवारी, महिला कांस्टेबल प्रिया नायक,पूर्णिमा चौधरी, कांस्टेबल रणजीत कुमार और अजीत शामिल थे।

## जिलाधिकारी ने जनता दर्शन के दौरान सुनी जन समस्याएं

**– शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण करें संबंधित अधिकारी:डीएम**

अमिट रेखा अजय कुमार

अमेठी। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने आज कलेक्ट्रेट कार्यालय में जन सामान्य की समस्याएं सुनी एवं उनके निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। शासन के निर्देश पर मंगलवार को

कार्यालय में जिलाधिकारी ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को सुना एवं मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को निस्तारण हेतु निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने जनता दर्शन में आए लोगों से अपील करते हुए कहा कि कोविड–19 संक्रमण से बचाव हेतु सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं तथा साफ–सफाई व सैनिटाइजेशन पर नियमित रूप से ध्यान दें, कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी सोशल डिस्टेंसिंग का का पालन कराते हुए जन समस्याएं सुनी तथा निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। आज जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी के समक्ष नाली विवाद, भूमि पर अवैध कब्जे, वसीयत, भूमि की पैमाइश, शौचालय, राशन, आवास आदि से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निस्तारण हेतु जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जन सामान्य की शिकायतों को लंबित न रखा जाए, शिकायतों का प्राथमिकता के आधार पर निस्तारण किया जाए, इसके साथ ही उन्होंने कहा जिस भी विभाग से संबंधित शिकायत लंबित पाई गई तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

# कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जन जागरूकता

**– कार्यक्रम अन्तर्गत किया गया किसान मेला का आयोजन**

**– विश्व जल दिवस अवसर पर किसान मेले में प्रधानमंत्री के सम्बोधन का दिखाया गया लाइव प्रसारण**

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर।

कुशीनगर विराट किसान मेला एवं केला प्रदर्शनी का शुभारम्भ मुख्य अतिथि विधायक कसया रजनीकान्त मणि त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उक्त मेला प्रदर्शनी का अवलोकन भी जिलाधिकारी के साथ मुख्य विकास अधिकारी व अन्य अधिकारी गणों द्वारा किया गया विधायक कुशीनगर रजनीकांत मणि त्रिपाठी ने आज जल संरक्षण के सम्बन्ध में प्रधानमंत्री जी द्वारा दिये गये उदबोधन के क्रम मे अवगत कराया कि सभी के द्वारा जल का संचयन किया जाय। तथा केला उत्पाद प्रदर्शनी एंव विभिन्न विभाग के लगाये गये स्टाल का सराहनीय बताया एवं आश्वस्त कया गया कि इस प्रकार का मेला ग्राम पंचायत स्तर पर भी आयोजित कराये जाने का प्रयास किया जायेगा। सथा समस्त कृषकों से मोटे आनाज की बुआई के लिय प्रेरित किया गया। एवं महिला कृषक को पशुपालन किये जाने का सुझाव दिया गया, एवं जल संरक्षण का संकल्प दिलाया। जिलाधिकारी एस0 राजलिंगम ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टाल की प्रशंसा करते हुए कृषक बन्दुओं से गन्ने एवं केले के साथ–साथ अन्य सहफसली खेती किये जाने हुते प्रोत्साहित किया गया इससे कृषकों की आय में वृद्वि होगी। उन्होंने केला व केले से बने विभिन्न उत्पादों के मार्केट वैल्यू पर जोर देते हुए नई तकनीक पर भी जोर दिया गया, उन्होंने मेले में उपस्थित कृषक गणो से प्रदर्शनी का अवलोकन करने तथा वैज्ञानिकों द्वारा बताई गई विधि से केले की खेती करने का सुझाव दिया।मुख्य विकास अधिकारी अनुज मलिक ने उपस्थित सभी अधिकारीगण एवं कृषक बन्धु के प्रति अभार व्यक्त करते हुये मेले मे लगे केला उत्पाद एवं विभिन्न प्रदर्शनी का अवलोकन कर एवं योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर खेती किये जाने पर जोर दिय गया इस अवसर पर उप कृषि निदेशक अरूण कुमार चौधरी, जिला कृषि अधिकारी प्यारे लाल, जिला गन्ना अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, भूमि संरक्षण अधिकारी, सहायक निदेशक मत्स्य, सहायक निदेशक रेश्म एवं जिला समन्वयक मनरेगा, उप निदेशक उद्यान गोखपुर के साथ वैज्ञानिकगण सहित कृषकगण उपस्थित रहे।

# भीषण सड़क हादसा, 6 की मौत, 2 जख्मी

अमिट रेखा अयोध्या। जिले के कोतवाली रुदौली क्षेत्र के अन्तर्गत लखनऊ–अयोध्या मार्ग पर मंगलवार की भोर में कानपुर से बस्ती की ओर जा रही दो रोडवेज की बस में से आगे चल रही

बस को रौजागांव ओवरब्रिज के पास बगल से गुजर रही एक डीसीएम ने साइड से टक्कर मार दिया। रोडवेज बस के चालक ने बस को किनारे रोक दिया। उसके साथ पीछे चल रही दूसरी बस के चालक ने भी बस को रोक दिया और डीसीएम से लगी टक्कर को देखने के लिए आगे ओवरब्रिज के पास बस का निरीक्षण करने लगे। इसी दौरान बस के अंदर बैठे यात्री भी नीचे उतर आए। इस बीच लखनऊ की ओर से अयोध्या जा रहे जा रहे ट्रेलर ने अनियंत्रित होकर खड़ी बस में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। ट्रेलर की भीषण टक्कर से बस से नीचे उतर कर खड़े यात्रियों में से आठ लोग गंभीर रूप घायल हो गए। 'ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी घायलों को आनन फानन में 108 एंबुलेंस से जिला अस्पताल भेजवाया। इनमें से छह लोगों की मौत हो गई। दो लोगों की मौत घटनास्थल पर हुई, जबकि चार लोगों ने इलाज के दौरान दम तोड़ा। इस सम्बन्ध में सीओ रुदौली डॉ. धर्मेंद्र यादव ने बताया कि सभी घायलों को एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल ले जाया गया है। छह घायलों को जिला अस्पताल तत्काल भेजा गया और दो घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रुदौली लाया गया था, जिनकी भी हालत गंभीर होने पर सीएचसी के चिकत्सकों ने जिला अस्पताल अयोध्या रेफर कर दिया है।

# मौत के लिए प्रेरित करने के आरोप में तरया सुजान थाने में मुकदमा दर्ज

**– 16 दिन बाद पुलिस ने तीन लोगों को लिया हिरासत में**

**– शेष तीन अभियुक्त फरार ,बताए जा रहे हैं जिसकी खोजबीन में लगी है पुलिस**

अमिट रेखा – कृष्णा यादव

तरया सुजान – कुशीनगर। विदित है कि 7 मार्च 2021 को तमकुही राज ओवर ब्रिज के पास ध्रुवा पासवान की पत्नी पिंकी देवी ने कुछ लोगों से आजीज आकर गले में फंदा लगाकर मौत को

चुन ली थी पिंकी देवी के मायके से माँ और भाई घटना पर पहुंचकर पुलिस को तहरीर देकर सूचना दी थी तत्काल तरया सुजान पुलिस घटनास्थल से तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया 36 घंटे थाने में बैठा कर छोड़ दिया लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम पुलिस ने कराया प्रथम दृष्टया एफ आई आर दर्ज नहीं होने के कारण मृतका की मां और भाई ने ध्रुव पासवान के घर से उनके तीनों लड़के को उठाकर गोरखपुर लेकर चले गए थे अपराध पंजीकृत करने में देरी होने के कारण मृतका की मां ने बच्चों को लेकर पुलिस उपमहानिरीक्षक गोरखपुर जोन से शिकायत की जिनके पहल पर पुलिस अधीक्षक कुशीनगर ने तरया सुजान थाने में एफ आई आर दर्ज करने हेतु पहल किया तरया सुजान पुलिस ने धारा 306 दर्ज कर 4 लोगों को अभियुक्त बनाया जिसमें ध्रुव पासवान पुत्र मथुरा पासवान सुरेश पासवान पुत्र मथुरा पासवान तथा सुरेश के दोनों लड़के अभियुक्त बनाए गए एफ आई आर दर्ज करने के बाद पुलिस ने 16 दिन बाद बुधवार दिनांक 23ध्3 ध्2021 को सुबह हरिहरपुर गांव से पूरमहंस पासवान के दरवाजे से ध्रुव पासवान अमलेश पासवान परमहंस पासवान को गिरफ्तार कर लिया है गिरफ्तार कर पुलिस तीनों को थाने ले गई है वही सुरेश पासवान उनकी लड़के घर से बाहर बताए जा रहे हैं इनको भी पुलिस तलाश कर रही है गिरफ्तारी की चर्चा सुबह पूरे गांव में आम हो गई दाह संस्कार में शामिल अन्य लोग भयभीत हैं तथा घर छोड़कर पलायित है।

## जिला कारागार महराजगंज का आकस्मिक निरीक्षण

अमिट रेखा सुनील पांडेय

महराजगंज। जनपद न्यायाधीश जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक महराजगंज द्वारा वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोवीड 19) के दृष्टिगत जिला कारागार महराजगंज का आकस्मिक निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान जेल की स्वास्थ्य व सुरक्षा व्यवस्था, बैरकों का रखदृरखाव, कैदियों के खान–पान व मेस व्यवस्था, साफ सफाई का जायजा लिया गया तथा कैदियों से मिलकर उनकी व्यक्तिगत समस्याओं के बारे में जानकारी ली गयी।

एवं कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव के लिए सोशल डिस्टेन्सिंग व विशेष स्वच्छता बनाए रखने हेतु मास्क का उपयोग करने हेतु निर्देशित किया गया तथा समस्याओं के निराकरण हेतु सर्वसम्बन्धित को आवश्यक दिशा– निर्देश दिये गये इस अवसर पर अन्य जेल/प्रशासनिक/पुलिस अधिकारी ध्कर्मचारीगण मौजूद रहे।

# पुलिस लाइन सभागार में विशेष किशोर पुलिस इकाई की गयी मासिक समीक्षा

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। पुलिस अधीक्षक महराजगंज प्रदीप गुप्ता

के निर्देशन में आज दिनांक 22–03–2021 को पुलिस लाइन महराजगंज में षविशेष किशोर पुलिस इकाईष्की मासिक समीक्षा एवं नियोजन बैठक एस एस बी 22 वीं के उप सेनानायक मनीष कुमार मीणा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया, जिसमें मानव तस्करी निषेध थाना महराजगंज के प्रभारी शकील अहमद, सभी थानों के बाल कल्याण पुलिस अधिकारी,श्रम प्रवर्तन अधिकारी फरेंदा, चाइल्ड लाइन महराजगंज के श्याम सिंह, चाइल्ड लाइन निचलौल एवं नौतनवा के प्रतिनिधि, मानव सेवा संस्थान, प्लान इण्डिया,एक्सन एड के कार्यक्रम समन्वयक, पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के सिस्टर लिंसी, मानव तस्करी निषेध युनिट एस एस बी 66 वीं के प्रतिनिधि सहित महिला कांस्टेबल उपस्थित रहे।

'कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन, सामूहिक भजन से शुरू हुआ। तदोपरांत निम्न विन्दुओं पर चर्चा किया गया।'

'1'– प्रत्येक थाने से बच्चे की मिसिंग रिपोर्ट दर्ज होना हैं एवं उनका रिपोर्ट भी संकल्पित है।

'2'–पुलिस द्वारा प्राप्त देखरेख एवं संरक्षण की आवश्यकता वाले बच्चों, लावारिस शिशूऔ, पाक्सो एवं अन्य धाराओं में बालिकाओं को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत की स्थिति।

'3'– सभी थाने में बाल कल्याण पुलिस अधिकारी का नाम एव नंबर लिख दिया गया है। बदले हुए बाल कल्याण पुलिस अधिकारी का नाम अपडेट करना है।

'4' –थाने पर एक रजिस्टर बच्चो से सम्बंधित रखा गया है। उसको नियमित अपडेट करते हुए प्रत्येक बैठक में रजिस्टर लेकर ही आना है।

'5' –पास्को की प्रत्येक थाने की स्थिति पर चर्चा।

'6' –बाल कल्याण पुलिस अधिकारी अपनी समस्या खुल के मीटिंग में रखे । एवं चर्चा करते हुए उचित सुझाव दिया गया है।

'7'– सभी थानों से बाल कल्याण पुलिस अधिकारी आये है।

'8'–जेजे एक्ट,पाक्सो एवं ह्यूमन ट्रैफिकिंग पर निचलौल ,नौतनवा, फरेंदा, सदर महाराजगंज में संवाद दिवस के अवसर पर जिला प्रोबेशन अधिकारी की टीम एवं जनपद में कार्यरत संस्थाओं के साथ बाल कल्याण पुलिस अधिकारी एवं महिला कांस्टेबल को प्रशिक्षित किया जायेगा।

'उपरोक्त विन्दुओ पर चर्चा करते हुए निर्णय लिया गया है कि क्षेत्र में मानव तस्करी रोकने के लिए हर संभव प्रयास किया जायेगा।

एवं बच्चों से सम्बंधित रजिस्टर प्रत्येक थानों में फरवरी से ही अपडेट किया जा रहा है, आगे भी जारी रहेगा। और बाल श्रम मे लिप्त बच्चों को छुड़ाकर शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं से जुड़ाव करना है। अन्त में उप सेनानायक महोदय मनीष कुमार मीणा ने निर्देशित किया कि आज की कार्यवाही सभी सम्बंधित विभागों में जाना है। बैठक का संचालन पूर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति के इण्टरवेसन आफिसर श्रवण कुमार ने किया।'

# पहले टेस्ट में विंडीज के सात विकेट पर 268 रन, श्रीलंका पर 99 रन की बनाई बढ़त

*श्रीलंका के पहली पारी के 169 रन के जवाब में वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 171 रन था। डा सिल्वा ने उस समय क्रीज पर कदम रखा जब स्कोर पांच विकेट पर 133 रन था। इसके बाद उन्होंने पारी संवारी।*

नॉर्थ प्वाइंट। आलराउंडर रहकीम कोर्नवाल के नाबाद अर्धशतक और जोशुआ डा सिल्वा के साथ आठवें विकेट के लिये 90 रन की साझेदारी से वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट क्रिकेट मैच के दूसरे दिन आठ विकेट पर 268 रन बनाकर 99 रन की बढ़त हासिल कर ली। कोर्नवाल 60 रन बनाकर खेल रहे हैं। वह एंटीगा के पहले खिलाड़ी हैं जिन्होंने सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में अर्धशतक जमाया। विकेटकीपर डा सिल्वा ने 46 रन बनाये और अपनी टीम को श्रीलंका पर बढ़त दिलाने में अहम भूमिका निभायी। श्रीलंका के पहली पारी के 169 रन के जवाब में वेस्टइंडीज का स्कोर एक समय सात विकेट पर 171 रन था। डा सिल्वा ने उस समय क्रीज पर कदम रखा जब स्कोर पांच विकेट पर 133 रन था। इसके बाद उन्होंने पारी संवारी। कोर्नवाल ने बाद में आक्रामक रवैया अपनाया और 62 गेंदों पर अपना पहला टेस्ट अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने अब तक 79 गेंदों का सामना करके नौ चौके और दो छक्के लगाये हैं। स्टंप उखड़ने के समय उनके साथ केमार रोच चार रन पर खेल रहे थे। कोर्नवाल और डा सिल्वा के बीच साझेदारी से मैच का रुख बदल गया क्योंकि इससे पहले श्रीलंका ने अच्छी गेंदबाजी की। वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम में जॉन कैंपबेल (42) और नक्रुमाह बोनर (31) के बीच दूसरे विकेट के लिये 56 रन की साझेदारी

सर्वश्रेष्ठ प्रयास रहा। तेज गेंदबाज सुरंगा लखमल (45 रन देकर पांच विकेट) ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों को लंबी पारियां नहीं खेलने दी। उन्होंने टेस्ट मैचों में चौथी बार पारी में पांच या इससे अधिक विकेट लिये।

## जरूरी नहीं कि टी20 विश्व कप में भी रोहित और मैं पारी का आगाज करें: कोहली

*कोहली का रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का फैसला सफल रहा था और पांचवें मैच में दोनों की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम टी20 श्रृंखला अपने नाम करने में सफल रही।*

पुणे। भारतीय कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को कहा कि सूर्यकुमार यादव के जैसे खिलाड़ियों को टीम में जगह देने के लिए उन्होंने खेल के सबसे छोटे प्रारूप में पारी के आगाज करने का फैसला किया लेकिन इस बात की कोई 'गारंटी' नहीं है कि वह टी20 विश्व कप में सलामी बल्लेबाज की भूमिका निभाएंगे। कोहली का रोहित शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का फैसला सफल रहा था और पांचवें मैच में दोनों की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय टीम टी20 श्रृंखला अपने नाम करने में सफल रही। कोहली ने सलामी बल्लेबाज के तौर खेलने का फैसला इसलिए किया ताकि सूर्यकुमार को उनके पसंदीदा तीसरे क्रम पर बल्लेबाजी का मौका मिल सके। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला की पूर्व संध्या पर इस फैसले और आगामी इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान पारी का आगाज करने के फैसले के बारे में बताया। कोहली ने कहा, '' मैदान में किन खिलाड़ियों के संयोजन के साथ जाना है ,इस पर चयनकर्ताओं की कोई भूमिका नहीं होती है। यह ठीक वैसे ही है जैसे टीम चयन में टीम प्रबंधन की कोई भूमिका नहीं होती।'' उन्होंने कहा, ''जैसा कि रोहित ने कहा था कि यह रणनीतिक फैसला था , लेकिन हां, हमें साथ में बल्लेबाजी करना पसंद है, हमें साझेदारी बनाना पसंद है। हमारे साथ में बल्लेबाजी का असर भी दिखा।'' भारतीय कप्तान ने कहा, ''लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह भविष्य में भी जारी रहेगा। सूर्यकुमार ने अपने पदार्पण मैच में शानदार बल्लेबाजी से कोहली को 'आश्चर्यचकित' कर दिया था और पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में टीम में उनको बनाये रखने के लिए कप्तान ने पारी का आगाज करने का फैसला किया।

## अंपायर्स कॉल की विराट कोहली ने की सख्त आलोचना, कहा- बढ़ रही भ्रम की स्थिति

पुणे। भारत के कप्तान विराट कोहली ने सोमवार को फैसला समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) में 'अंपायर्स कॉल (मैदानी अंपायर के फैसले को बरकरार रखना)' की आलोचना करते हुए कहा कि इससे बहुत भ्रम की स्थिति बन रही है और पगबाधा से आउट होने काफैसला पूरी तरह से गेंद के स्टंप्स से टकराने पर आधारित होना चाहिए, भले वह मामूली रूप से टकराये। मौजूदा नियमों के मुताबिक बल्लेबाज के पगबाधा को लेकर दिये गये अंपायर के फैसले पर गेंदबाजी टीम की डीआरएस के दौरान गेंद का कम से कम 50 प्रतिशत हिस्सा तीनों स्टंप्स में से किसी एक से टकराना चाहिये। ऐसा नहीं होने पर अंपायर्स कॉल मान्य होता है। कोहली ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला के शुरूआती मुकाबले की पूर्व संख्या पर यहां कहा, '' मैं डीआरएस के बिना लंबे समय तक खेला हूं। उस समय अंपायर ने अगर कोई फैसला दिया है तो बल्लेबाज चाहे या ना चाहे वह मान्य होता था।'' उन्होंने कहा, '' मेरे मुताबिक अंपायर्स कॉल से अभी भ्रम की स्थिति हो रही है। जब आप किसी बल्लेबाज को बोल्ड करते है तो आप यह नहीं सोचते है कि गेंद का 50 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा स्टंप्स से टकराये।'' उन्होंने कहा, '' इसलिएक्रिकेट की बुनियादी समझ से मुझे नहीं लगता कि इस पर कोई बहस होनी चाहिए। अगर गेंद स्टंप्स से टकरा रही है तो यह आउट होना चाहिये, आप इसे पसंद करे या नहीं, ऐसे में आप समीक्षा गंवा देते है।'' इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान सूर्यकुमार यादव के खिलाफ मैदान अंपायर के 'सॉफ्ट सिगनल' में आउट दिये जाने से की कोहली ने आलोचना करते हुए कहा कि खेल को सरल रखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, '' खेल को सरल होना चाहिये और यह देखा जाना चाहिये कि गेंद स्टंप्स से टकरा रही है या नहीं, यह मायने नहीं रखता कि कितना टकरा रही है, क्योंकि इससे बहुत भम्र हो रहा है।'' उन्होंने कहा, '' आपको यह सवाल करना होगा कि खेल की भावना क्या है और उसके दिशा–निर्देश क्या हैं, क्योंकि अगर, भारतीय क्रिकेट टीम के साथ विदेशों में ऐसा हुआ है, तो आप खेल भावना को लेकर पूरी तरह से अलग बातचीत करते।'' कोहली ने कहा कि बड़े टूर्नामेंटों में इस तरह के अंपायरों केविवादास्पद फैसले से परिणाम प्रभावित होते हैं। उन्होंने कहा, '' भविष्य में बड़े टूर्नामेंट के साथ बहुत कुछ दांव पर है, और आप खेल में विवादित चीज नहीं चाहते है क्योंकि नाजुक मोड़ पर आपके पास कोई स्पष्टता नहीं होती है।

## भेल ने विदेश में पहली बार सौर परियोजना का ठेका हासिल किया

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भेल ने सोमवार को कहा कि उसने पहली बार वैश्विक स्तर पर मारीशस में सौर बिजली परियोजना स्थापित करने का आर्डर हासिल किया है। भेल ने एक बयान में कहा कि कंपनी इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण आधार पर परियोजना मारीशस में हेनरिएटा (फेज दो) स्थित तामारिंड फाल्स के पास स्थापित की जाएगी। बयान के अनुसार, ''भेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय कारोबार में एक और मील का पत्थर स्थापित किया है। उसे पहली बार विदेश में परियोजना विकास का ठेका मिला है। इसके तहत ग्रिड से जुड़ी आठ मेगावाट (एमडब्ल्यूएसी) क्षमता की सौर फोटोवोल्टि बिजली संयंत्र लगाया जाना है।कंपनी को यह ठेका मारीशस सरकार की सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड की पूर्ण अनुषंगी सीईबी (ग्रीन एनर्जी) कंपनी लि., मारीशस से मिला है। परियोजना का वित्त पोषण भारत सरकार से मिली ऋण सहायता के जरिये होगा। भेल ने यह ठेका प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये हासिल किया है।

## कमजोर मांग से चांदी वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा बाजार में सोमवार को चांदी वायदा कीमत 1,456 रुपये की गिरावट के साथ 66,071 रुपये प्रति किलो रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में चांदी के मई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1,456 रुपये यानी 2.16 प्रतिशत की हानि के साथ 66,071 रुपये प्रति किलो रह गयी जिसमें 12,403 लॉट के लिये कारोबार हुआ।वैश्विक स्तर पर, न्यूयार्क में चांदी की कीमत 2.68 प्रतिशत की हानि के साथ 25.62 डॉलर प्रति औंस चल रहा था।

## फ्यूचर रिटेल को अदालत से राहत

# रिलायंस सौदे के साथ आगे बढ़ने पर रोक के आदेश को स्थगित किया

नयी दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोमवार को फ्यूचर रिटेल लिमिटेड (एफआरएल) को 24,713 करोड़ रुपये के रिलायंस सौदे के साथ कदम आगे बढ़ाने से रोकने के एकल न्यायधीश के फैसले को स्थगित कर दिया। रिलायंस के साथ एफआरएल के इस सौदे को लेकर अमेरिका की ई– वाणिज्य कंपनी अमेजन ने एतराज जताया था। दिल्ली उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायधीश डी एन पटेल और न्यायमूर्ति जसमीत सिंह की एक खंड पीठ ने फ्यूचर समूह की अपील पर सुनवाई करते हुये एकल न्यायधीश के 18 मार्च के फैसले पर रोक लगाने के साथ ही अमेजन को नोटिस भी जारी किया है। खंड पीठ ने मामले को 30 अप्रैल के लिये सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुये कहा, '' ... हम एकल न्यायधीश के 18 मार्च 2021 के फैसले को सुनवाई की अगली तिथि तक स्थगित करते हैं।'' खंड पीठ ने एकल न्यायधीश द्वारा फ्यूचर समूह के किशार बियाणी और अन्य की संपत्ति को कुर्क करने और 28 अप्रैल को अदालत में हाजिर होने के निर्देश को भी स्थगित कर दिया। पीठ ने फ्यूचर समूह और उसके निदेशकों को 20 लाख रुपये लागत के तौर पर प्रधानमंत्री राहत कोष में दो सप्ताह के भीतर जमा कराने के निर्देश पर भी रोक लगा दी। यह धन दिल्ली में गरीबी रेखा से नीचे जीवनयापन करने वाले (बीपीएल) वर्ग के वरिष्ठ नागिरकों को कोविड– 19 का टीका लगाने के लिये इस्तेमाल किया जाना था।एकल न्यायधीश का फैसला अमेजन की उस याचिका पर आया था जिसमें उसने सिंगापुर आपातकालीन मध्यस्थता अदालत के 25 अक्टूबर 2020 को दिये गये निर्णय को लागू कराने के लिये अदालत से गुहार लगाई थी साथ ही फ्यूचर रिटेल को रिलायंस रिटेल के साथ हुई सौदे पर आगे बढ़ने से रोकने का निर्देश देने की भी अदालत से अपील की थी।वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने उच्च न्यायालय में फ्यूचर समूह की ओर से पेश होते हुये एकल न्यायधीश द्वारा 18 मार्च को दिये गये सभी आदेशों को स्थगित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इससे पहले खंड पीठ ने एकल न्यायधीश के पहले के आदेशों पर भी अंतरिम रोक लगाई थी और उच्चतम न्यायालय में भी इसे नहीं रोका गया था। उच्चतम न्यायालय भी मामले को देख रहा है।साल्वे ने दलील दी कि एकल न्यायधीश को ऐसा आदेश नहीं देना चाहिये था क्योंकि उच्चतम न्यायालय भी मामले में सुनवाई कर रहा है और उच्च न्यायालय की खंड पीठ पहले ही मामले को देख रही है।वरिष्ठ अधिवक्ता गोपाल सुब्रमणियम ने अमेजन की ओर से पेश होते हुये कहा कि यह एकल न्यायधीश के आदेश को शीर्ष न्यायालय के संज्ञान में लाना उचित था।

## संक्षिप्त

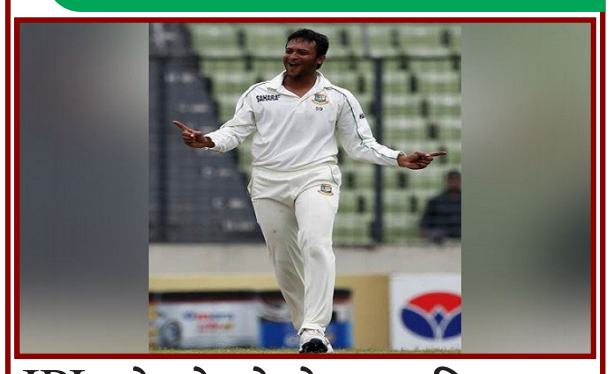

### IPL खेलने को लेकर शाकिब अल हसन को लग सकता है बड़ा झटका

ढाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने सोमवार को कहा कि वह शाकिब अल हसन को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेलने के लिये अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) देने पर पुनर्विचार कर सकता है। शाकिब ने इससे पहले रविवार को दावा किया था कि बीसीबी ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बजाय आईपीएल को प्राथमिकता देने के उनके फैसले को गलत तरीके से पेश किया। बीसीबी ने क्रिकेट संचालन अध्यक्ष अकरम खान ने बोर्ड अध्यक्ष नजमुल हसन के साथ उनके आवास पर बैठक के बाद कहा कि शाकिब को एनओसी देने पर अगले दो दिन में विचार किया जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो के अनुसार खान ने कहा, ''मैंने सुना है कि मैंने उसके पत्र को नहीं पढ़ा। हो सकता है कि मैं उसे नहीं समझ पाया। वह टेस्ट खेलना चाहता है जैसा कि उसने कहा। अगले दो दिनों में हम उसकी एनओसी पर विचार करेंगे। अगर वह दिलचस्पी दिखाता है तो वह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट में खेलेगा। '' उन्होंने कहा, ''शाकिब ने अपने पत्र में स्पष्ट रूप से लिखा है कि वह श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के बजाय आईपीएल में खेलना चाहता है।

### मारुति ने नवाचार पहल के तहत तीन नए स्टार्टअप को चुना

नयी दिल्ली। मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने सोमवार को कहा कि उसने अपने 'मोबिलिटी और ऑटोमोबाइल इनोवेशन लैब' (मेल) कार्यक्रम के तहत तीन नए स्टार्टअप को चुना है। कंपनी ने कहा कि ऑटोमोबाइल क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए उसने नोबल आईटी, रेडडॉट और स्लीव को मेल कार्यक्रम के चौथे दस्ते के लिए चुना है। एमएसआई के एमडी और सीईओ केनिची आयुकावा ने एक बयान में कहा, ''स्टार्टअप उपभोक्ता प्रौद्योगिकी की दुनिया को प्रभावित करने के लिए तैयार हैं। कंपनी की मेल पहल नए व्यावसायिक समाधानों में साथ देकर उनका समर्थन करती है।''उन्होंने कहा कि तीन नए स्टार्टअप अब भुगतान आधारित परियोजना के लिए कंपनी के साथ जुड़ेंगे।एमएसआई ने जीएचवी एक्सिलरेटर के साथ मिलकर जनवरी 2019 में मेल पहल शुरू की थी।

### कमजोर मांग से सोना वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने जमा सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को सोना 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,728 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल महीने में डिलिवरी वाले सोना वायदा की कीमत 293 रुपये यानी 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ 44,728 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। इसमें 8,237 लॉट के लिये कारोबार किया गया। अंतरराष्ट्रीय बाजार, न्यूयॉर्क में सोना 0.67 प्रतिशत की हानि के साथ 1,732.30 डॉलर प्रति औंस चल रहा था।

### कमजोर मांग से एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को एल्युमीनियम की कीमत 0.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 176.35 रुपये प्रति किग्रा रह गई। एमसीएक्स में एल्युमीनियम के मार्च महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 1.25 रुपये अथवा 0.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 176.35 रुपये प्रति किग्रा रह गई जिसमें 1,146 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में उपभोक्ता उद्योगों की कमजोर मांग की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे यहां एल्युमीनियम वायदा कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

### सुस्त मांग से निकेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को निकेल वायदा भाव 0.15 प्रतिशत की हानि के साथ 1,166.90 रुपये प्रति किलो रह गया। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में मार्च माह में डिलीवरी होने वाले अनुबंध के लिये निकेल का भाव 1.70 रुपये यानी 0.15 प्रतिशत की हानि के साथ 1,166.90 रुपये प्रति किलो रह गया। इसमें 1,744 लॉट के लिये सौदे किये गये। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार की कमजोर मांग के कारण मुख्यतः निकेल वायदा कीमतों में हानि दर्ज हुई।

### कमजोर मांग से कच्चातेल वायदा कीमतों में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को घटाया जिससे वायदा बाजार में कच्चा तेल की कीमत सोमवार को 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,435 रुपये प्रति बैरल रह गयी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में अप्रैल महीने में डिलिवरी वाले कच्चा तेल अनुबंध की कीमत 24 रुपये यानी 0.54 प्रतिशत की गिरावट के साथ 4,435 रुपये प्रति बैरल रह गयी। इसमें 4,062 लॉट के लिये कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड का भाव 0.91 प्रतिशत की हानि के साथ 60.86 डॉलर प्रति बैरल चल रहा था जबकि ब्रेंट क्रूड का भाव 0.74 प्रतिशत की हानि के साथ 64.05 डॉलर प्रति बैरल के स्तर पर था।

### हाजिर मांग से धनिया वायदा कीमतों में तेजी

नयी दिल्ली। हाजिर बाजार की कमजोर मांग के बीच सटोरियों ने अपने सौदों के आकार को बढ़ाया जिससे वायदा कारोबार में सोमवार को धनिया की कीमत 48 रुपये की तेजी के साथ 7,126 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई। एनसीडीईएक्स में धनिया के अप्रैल माह में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 48 रुपये अथवा 0.68 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,126 रुपये प्रति क्विन्टल हो गई जिसमें 6,855 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि हाजिर बाजार में मजबूती के रुख और उत्पादक क्षेत्रों से सीमित आपूर्ति के कारण मुख्यतरू यहां धनिया वायदा कीमतों में लाभ दर्ज हुई।

हिन्दी दैनिक

# अमिट रेखा

4

कुशीनगर बुधवार, 24 मार्च 2021

## सम्पादकीय.....

## रंगों का त्यौहार कहीं मस्ती धूमिल न कर दें

मार्च में रंगों के त्योहार होली का बड़ी ही उत्सुकता से इंतजार किया जाता है। होली से जुड़ा है रंग, गुलाल व अबीर। बच्चों को खासकर इस त्योहार का इंतजार इसलिए होता है क्योंकि उन्हें पानी भरे गुब्बारे व पिचकारियों से खेलने का मौका मिल जाता है। लेकिन, होली के इस रंग को भंग न होने दें–यह लाल, पीले, गुलाबी रंग देखने में जितने खूबसूरत लगते हैं, शरीर, आंखों व त्वचा के लिए उतने ही नुकसानदायक भी हो सकते हैं। उस रंग में सीसा नाम का धातु मिला होता है जिसके बहुत से दुष्प्रभाव होते हैं। होली के बाद हास्पिटलों में सामान्य तौर पर त्वचा व आंखों के मरीजों की आवाजाही बढ़ जाती है और आंखें जो कि बेहद नाजुक होती हैं, अगर ध्यान न दिया जाए तो थोड़ी भी लापरवाही बहुत ही घातक हो सकती है. कुछ रंगों के आंखों के साथ संपर्क में आने से आंखों में जलन होने लगती है और आंखें लाल हो जाती हैं। अगर यह समस्या दो चार दिनों में ठीक न हो तो डाक्टर से सलाह लेना जरूरी हो जाता है। आंखों में किसी प्रकार की समस्या होने पर यह देखना चाहिए कि आप की दृष्टि की स्पष्टता में तो कोई कमी नहीं आई है। यदि हां, तो तुरंत डाक्टर से मिलें। होली पर होने आंखों में होने वाली समस्याएं–संक्रमण कंजक्टिवाइटिस, केमिकल बर्न, कोर्नियल एब्रेशन, आंखों में चोट, ब्लंट आई इंज्यूरी आदि। दरअसल, गुलाल में ऐसे छोटे–छोटे कण मौजूद होते हैं जो कि यदि आंखों में चले जाएं तो कोर्निया को नुकसान पहुंचा सकते हैं। कोर्नियल एब्रेशन ऐसी ही एक एमरजेंसी होती है, जहां आंखों से निरंतर पानी गिरता रहता है और दर्द भी बना रहता है। यदि ध्यान न दिया जाए, तो आंखों में संक्रमण या अल्सर हो सकता है। होली पर गुब्बारों के इस्तेमाल से आंख में अंदरूनी रक्तस्राव हो सकता है या किसी प्रकार की भी चोट लग सकती है। इसलिए ऐसे हालातों में किसी बात का इंतजार न करें। आंखों को किसी प्रकार का खतरा न हो, उससे पहले आप किसी अच्छे नेत्र रोग विषेशज्ञ से अवश्य ही संपर्क करें। कुछ ध्यान देने याग्य बातें–अपनी आंखों को बचाकर रखें। कोई आप के पास रंग लगाने आए, तो अपनी आंखों को पहले बचाने का प्रयास करें। आंखों में चश्मा पहनें जिससे कि खतरनाक रंगों के रसायन से आप की आंखें बच सकें। बालों पर कोई बड़ी सी टोपी या हैट लगाएं जिससे आप के बाल केमिकल डाई के दुश्प्रभाव को झेल सकें। नहाते समय और रंगों को निकालते समय आंखों को अच्छी तरह से बंद कर लें ताकि पानी के साथ बहता हुआ रंग आप की आंखों में प्रवेश न कर सके। यदि आप कहीं बाहर जा रहे हैं, तो अपनी गाड़ी के दरवाजे अच्छी तरह से बंद करके रखें। जहां तक हो सके उस दिन कहीं भी ट्रैवलिंग करने का प्लान न ही बनाएं। बच्चों को गुब्बारों से खेलने के लिए उत्साहित न करें क्यों कि गुब्बारें कभी भी किसी को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं। अपने रंग लगे हाथों को आंखों के पास न ले जाएं। हाथ धोने के बाद ही आंखों को छुएं। आंखों को मसलने या रगड़ने की गलती भी न करें। ऐसे लोगों से बचने का प्रयास करें जो कि हाथों से आप के चेहरे पर रंग लगाने आएं। यदि कोई रंग लगाने आए तो आप आंखों और होंठों को बंद कर लें।

## आज का राशिफल

मेष :– महत्वाकांक्षी अभिलाषाएं मन में असन्तुष्टी पैदा करेगी। तामसिक विचारों को मन से दूर रखें। विपरीतलिंगी संबंधों में आकर्षण बढ़ेगा। भौतिक आकांक्षाओं की पूर्ति में ब्यय अपेक्षित है।

बृषभ :– अपने जीवन में सही लक्ष्य व सुदृढ़ता को सुनिश्चित करें तभी जीवन में सही प्रगति कर सकतें है। किसी पुराने संबंध मे बिशेष निकटता की अनुभूति करेंगे। ग्रहो की अनुकूलता से कार्य सम्पन्न होंगे।

मिथुन :– किसी भी प्रयास में आर्थिक अभाव अवरोधक होगा। साहस व बुद्मित्ता से पुरानी समस्याओं पर बिजय प्राप्त कर सुखद अनुभूति करेंगे। विषम परिस्थितियों से प्रगति के ओर अग्रसर होंगे।

कर्क :– भविष्य के प्रति मन में चिन्ताएं उत्पन्न होंगी। किसी कार्य को छोटा–बड़ा समझने के बजाए अपने कर्तव्यों का ठीक डंग से निर्वहन् करें। वर्तमान कार्य से मन में असन्तुष्टी उत्पन्न होगी।

सिंह :– परिवारिक दायित्वों की चिन्ता उत्पनन्न होंगी। स्वास्थ के प्रति लानपरवाही न बरतें एव जीवन साथी के स्वास्थ के प्रति ध्यान देवें। किसी बडे. आयोजन हेतु समुचित ब्यवस्था के लिए मन प्रयत्नशील होगा।

कन्या :– छोटी–छोटी पारिवारिक बातों बाहरी व्यक्तियो से न कहे। भावनाव से उद्वेलित मन संबंधों के सुख–दुख के प्रति चिन्तित होगा। किसी नयी दिशा में सकारात्मक सोच अवश्य रंग लायेगी।

तुला :– शासन–सत्ता में व्यस्तता बढ़ेगी। समाजिक सक्रीयता से मान–प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीतिज्ञो को ग्रहों की अनुकूलता का लाभ मिलेगा। परिजनों के सुख–दुख के प्रति मन चिन्तित होगा।

वृश्चिक :– हर घटना से आपको सीख लेने की जरुरत है। नए क्षेत्र में निवेश से पूर्व बुद्धिजीवियो से विचार–विमर्श करें। भविष्य के प्रति निराशा जनक विचारों को मन पर हावी ना होने देवें।

धनु :– निकटस्थ संबंधों में मधुर संवाद से अपनी सुन्दर छबि बनावें। कुछ महत्वपूर्ण अभिलाषाओ की पूर्ति के आसार है। जीवन समान्य दिनर्चया के साथ ब्यतीत होगी। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनने के योग हैं।

मकर :– बुद्धिमत्ता व परिश्रम का मिला–जुला संजोग का भरपूर लाभ उठाएंगे। आर्थिक क्षेत्र में लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। सफलताएं आन्तरिक क्षमताओं का एहशास कराएंगी।

कुंभ :– कोई छोटी बात भी तनाव का कारण बन सकती है। महत्वपूर्ण प्रयत्न की सार्थकता नए उत्साह का संचार करेगा। समाजिक गतिबिधियों में क्रियाशीलता बढ़ेगी। सुन्दर अभिब्यक्ति सम्बन्धों मधुरता बढ़ेगी।

मीन :– बीते हुए दिनों को याद कर भाव–विभोर हो सकते है। ब्यग्रता महत्वपूर्ण क्षेत्रो मे एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा। भौतिक आकांक्षाएं मन को उद्वेलित करेंगी।

# आधी आबादी को साधने की कोशिश

**सियाराम पांडेय शांत**

*मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल में भाजपा के स्टार प्रचारक भी हैं। गोपीचंद और भक्त पूरनमल जैसे योगी बंगाल की धरती से ही निकले हैं। इस लिहाज से भी देखा जाए तो ममता बनर्जी को चुनावी शिकस्त देने में भी तीनों वीरांगनाओं को सम्मान देने का जो ट्रंप कार्ड योगी आदित्यनाथ ने खेला है, उससे उनके दोनों हाथों में लड्डू आ गए हैं। महिलाओं के नाम पर पीएएसी की बटालियन स्थापित कर उन्होंने उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश भर की महिलाओं का दिल जीतने की कोशिश की है। हालांकि इन तीनों वीरांगनाओं के नाम पर लखनऊ, बदायूं और गोरखपुर में पीएसी की बटालियन बनाने की घोषणा तो उन्होंने वर्ष 2020 में ही कर दी थी। गोरखपुर में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल एवं प्रदेश की पहली पीएसी महिला बटालियन के परिसर की नींव रखते हुए उन्होंने कहा था ।*

अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने एक तीर से कई निशाने साधे हैं । रानी अवंती बाई लोधी, उदा देवी और झलकारी बाई के नाम पर उत्तर प्रदेश की तीन पीएसी बटालियन स्थापित की। इससे जहां देश भर में नारी सशक्तीकरण की उनकी मुहिम को मजबूती मिली, वहीं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव से ठीक पहले उन्होंने अति पिछड़ा वर्ग के वोटों पर अपना वर्चस्व जमाने की भी कोशिश की है। निश्चित तौर पर इसका लाभ उन्हें वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी मिलेगा। अवंती बाई लोधी अगर राज्य में रह रहे लोधी राजपूतों में बेहद आदरणीय हैं तो उदा देवी पासी यानी राजभर समाज की आदर्श हैं जबकि झांसी की रानी लक्ष्मीबाई की मदद करने वाली परम क्रांतिकारी झलकारी बाई बुंदेलखंड की महिलाओं एवं पुरुषों की आदर्श हैं। इस लिहाज से देखें तो इन तीनों वीरांगनाओं को सम्मान देकर योगी आदित्यनाथ ने बुंदेलखंड, पूर्वांचल और पश्चिमी उत्तर प्रदेश को एक साथ साधने का प्रयास किया है। लोधी राजपूतों की की आबादी मुख्यतरू दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश , राजस्थान के भरतपुर एवं मध्य प्रदेश से सटे हुए जिलों, गुजरात के राजकोट और अहमदाबाद जिले, महाराष्ट्र, बिहार, उड़ीसा और बंगाल के मिदनापुर जिले में निवास करती है। 1931 की जनगणना के अनुसार भारत में इनकी जनसंख्या 17,42,470 थी जो अब बढ़कर 9 करोड़ हो गई है। विलियम क्रुक की पुस्तक श्दी ट्राइव एण्ड कास्ट्स ऑफ दी नार्थ–वैस्टर्न इण्डियाश् में लिखा है कि लोधी पूरे मध्य प्रान्त में फैले हुए हैं और ये बुंदेलखण्ड से यहां आए हैं। पश्चिम बंगाल में फिलहाल विधानसभा चुनाव हैं, ऐसे में लोधों का वोट वहां किसी दूसरे के हाथ में तो जाना नहीं है। यही हाल पासी समाज की है। उत्तर भारत में निवास करने वाले ये लोग विमुक्त जाति कहलाते हैं और कुछ राज्यों में इन्हें अनुसूचित जाति के अंतर्गत रखा गया है। पासी का मतलब परंपरागत रूप से पेशा ताड़ी दोहन से है। पासी गुर्जर, कैथवास और बोरिया में विभाजित हैं। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना राज्य में उन्हें ओबीसी का दर्जा प्राप्त है। इस जाति के लोग मुख्यतरू उत्तर प्रदेश के सभी जिलों और बिहार में निवास करते हैं। भारत के अन्य प्रदेशों में पासी जाति को पासी, बौरासी,राजपासी, सरोज, रावत, बहोरिया, कैथवास, ताड़माली, मोठी इत्यादि नाम से जाना जाता है। इनकी भाषा हिंदी ,मराठी, पंजाबी और भोजपुरी है । पासी समुदाय के उल्लेखनीय लोगों में बिजली पासी, सुहेलदेव, गंगा बक्स रावत और ऊदा देवी प्रमुख हैं। बेडिया जनजाति उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कुछ इलाकों में रहती है। बेडिया जनजाति सर्वप्रथम बिहार झारखण्ड और पश्चिम बंगाल के कुछ राज्यों में पाई जाती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पश्चिम बंगाल में भाजपा के स्टार प्रचारक भी हैं। गोपीचंद और भक्त पूरनमल जैसे योगी बंगाल की धरती से ही निकले हैं। इस लिहाज से भी देखा जाए तो ममता बनर्जी को चुनावी शिकस्त देने में भी तीनों वीरांगनाओं को सम्मान देने का जो ट्रंप कार्ड योगी आदित्यनाथ ने खेला है, उससे उनके दोनों हाथों में लड्डू आ गए हैं। महिलाओं के नाम पर पीएएसी की बटालियन स्थापित कर उन्होंने उत्तर प्रदेश ही नहीं, बल्कि देश भर की महिलाओं का दिल जीतने की कोशिश की है। हालांकि इन तीनों वीरांगनाओं के नाम पर लखनऊ, बदायूं और गोरखपुर में पीएसी की बटालियन बनाने की घोषणा तो उन्होंने वर्ष 2020 में ही कर दी थी। गोरखपुर में पुलिस ट्रेनिंग स्कूल एवं प्रदेश की पहली पीएसी महिला बटालियन के परिसर की नींव रखते हुए उन्होंने कहा था कि पीएसी की यह बटालियन महिला सशक्तीकरण की दिशा में अहम कदम है। इससे प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर एक बेहतर माहौल बनेगा। उन्होंने यह भी कहा था कि 25 साल से गोरखपुर का पुलिस ट्रेनिंग स्कूल को जमीन नहीं मिल रही थी कि वह अपना प्रशिक्षण संस्थान खोल सकें। अपने संभाषणों में विपक्ष को दिन में तारे दिखाना वे कभी नहीं भूलते। उन्होंने कहा था कि पिछली सरकारों ने देश की सुरक्षा व्यवस्था से खिलवाड़ किया था। 2017 में जब भाजपा सत्ता में आई थी तब करीब डेढ़ लाख पद खाली पड़े थे। हमारी सरकार ने इन भर्तियों को स्ट्रीम लाइन किया गया। पुलिस प्रशिक्षण क्षमता को 6 हजार से बढ़ाकर 12 हजार किया गया। उत्तर प्रदेश पुलिस के इतिहास में पहली बार पुलिस के रिक्रूट की ट्रेनिंग के लिए बीएसएफ, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ, एसएसबी और अन्य राज्यों के ट्रेनिंग केंद्रों की सहायता ली गई । कई जनपदों में पुलिस लाइन नहीं थे ।बिना पुलिस लाइन का जनपद, बिना संविधान के देश की तरह होता है। हमने उन सभी जिलों में पुलिस लाइन के लिए जमीन खरीदने के साथ ही परिसर निर्माण के लिए धनराशि स्वीकृत कर दी है। कुछ जनपदों में पुलिस लाइन बनाने का काम शुरू हो गया है। हर पुलिस लाइन में 300 पुरुष और 50 से ज्यादा महिला कांस्टेबलों के लिए अलग बैरक की व्यवस्था की गई है। यह और बात है कि पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के कार्यकाल में 25 मार्च 2016 को प्रमुख सचिव गृह देबाशीष पण्डा ने कहा था कि पुलिस के साथ अब पीएसी में भी महिलाओं की भर्ती की जाएगी। पीएसी में महिलाओं की अलग बटालियन बनाई जाएगी। सिपाही पद पर भर्ती के लिए सूबे से पांच लाख से ज्यादा महिलाओं ने आवेदन भी किया था । महिलाओं के फोर्स में आने के उत्साह को देखते हुए शासन स्तर पर महिलाओं की एक अलग बटालियन तैयार करने पर सहमति बनी थी। यह बात दीगर है कि अखिलेश राज में इस कार्ययोजना पर अमल नहीं हो सका था। कुछ सालों में महिलाओं के प्रदर्शन, धार्मिक आयोजनों व अन्य कार्यक्रमों के दौरान पीएसी में महिला कर्मियों की कमी काफी अखरती रही है। वर्ष 1940 में पीएसी के गठन के बाद से वर्ष 2017 तक महिलाओं की भर्ती नहीं की गई। प्राकृतिक आपदा, धार्मिक आयोजन, प्रदर्शन में महिलाओं को संभालने के लिए पीएसी में महिलाओं की भर्ती की जरूरत पड़ रही थी। इसके विपरीत नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में वर्ष 2019 में पहली बार, भारतीय सेना ने महिला सैन्य पुलिस के लिए जनरल ड्यूटी (महिला सैन्य पुलिस) के 100 पदों पर भर्ती निकाली थी। महिलाओं को फ्लाइट उड़ाने तथा सीमा की चौकियों पर तैनात करने, समुद्री युद्धपोत पर तैनात कर सरकार ने नारी समाज के हौंसले को मजबूती ही दी थी। कश्मीर में भारतकृपाक सीमा के बेहद नजदीक साधना टॉप पर भारतीय सेना की असम राइफल्स की महिला जवानों ने मोर्चा संभाला हुआ है। इस पोस्ट को आतंकी घुसपैठ के साथ साथ हथियार और ड्रग्स की तस्करी की वजह से काफी संवेदनशील माना जाता है । भारतीय सेना के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब भारतकृपाक सीमा के करीब,महिला सैनिकों की तैनाती की गई है। योगी सरकार द्वारा जिन तीन महिला बटालियनों की स्थापना की जा रही है, उनमें हर एक बटालियन में 1,262 पदों पर तैनाती की जाएगी। लखनऊ की महिला बटालियन को सेंट्रल यूपी और बदायूं की बटालियन को पश्चिमी यूपी में लगाया जाएगा। चुनावी वर्ष में योगी सरकार ने महिला पीएसी बटालियन के गठन और उनके नामकरण के जरिए भाजपा समर्थक मतदाताओं को संदेश देने की भी कोशिश की है। लखनऊ और आसपास के जिलों में दलित जाति की पासी उपजाति के मतदाताओं की संख्या काफी है। वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव और वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में पासी जाति ने भाजपा को एकतरफा समर्थन दिया था। वहीं दूसरी ओर रुहेलखंड में लोधी जाति भाजपा की समर्थक मानी जाती है। लोधी समाज में वीरांगना अवंतीबाई का सम्मानीय स्थान है। इनके नाम पर भी बदायूं में गठित होने वाली महिला पीएसी बटालियन के नामकरण का निर्णय लिया गया है। शासन ने इन बटालियन की स्थापना और नाम का आदेश जारी कर दिया है। लेकिन सवाल यह है कि रानी दुर्गावती, कित्तूर की रानी चेनम्मा और झांसी की रानी लक्ष्मीबाई, बेगम हजरत महल, दुर्गाभाभी जैसी वीरांगनाओं की उपेक्षा क्यों की जी रही है। बटालियन तो उनके नाम पर भी बननी चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि रानी लक्ष्मी बाई, अवंती बाई लोधी, उदा देवी और झलकारी बाई ने अपना सर्वोच्च बलिदान देकर हम सबको भारत की एकता और अखंडता को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा प्रदान कर की। इन महान वीरांगनाओं से प्रेरित होकर उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में मातृशक्ति की सुरक्षा सम्मान और स्वावलंबन के लिए एक विशेष कार्यक्रम मिशन शक्ति के रूप में प्रारंभ किया है। इसी मिशन शक्ति के तहत उत्तर प्रदेश पुलिस में 20 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किए गए हैं। प्रदेश के 1,535 थानों, 350 तहसीलों में महिला सुरक्षा को लेकर हेल्प डेस्क स्थापित की गई है। महिलाओं से सम्बन्धित साइबर अपराध के लिए हर स्तर पर भी साइबर सेल की स्थापना की गई है। हर मंडल में महिलाओं के खिलाफ होने वाले साइबर अपराध की सुनवाई के लिए पुलिस महानिरीक्षक को जिम्मेदारी दी गई है।

# अमेरिका में नस्ली हमले का नया निशाना

**जे सुशील**

कोरोना वायरस ने पूरी दुनिया पर अपना प्रभाव डाला है लेकिन इस वायरस से सबसे ज्यादा नुकसान अमेरिका को उठाना पड़ा है। साढ़े पांच लाख से अधिक लोगों के मारे जाने और अर्थव्यवस्था को जबर्दस्त झटका लगने के अलावा इस दौरान देश में हिंसा भी बढ़ी है, खास कर एशियाई अमेरिकी लोगों के खिलाफ। बीते मंगलवार को जॉर्जिया में एक मसाज सेंटर पर हुए नस्ली हमले में छह महिलाओं समेत एशियाई मूल के आठ लोगों के मारे जाने की घटना इसी सिलसिले की ताजा कड़ी है। 21 साल के एक श्वेत युवक को हमले के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। रिपोर्टों के अनुसार पिछले एक साल में एशियाई अमेरिकी लोगों के खिलाफ हिंसा की तीन हजार से अधिक घटनाएं हुई हैं। इनमें सबसे अधिक निशाना बनाया गया है बुजुर्गों और महिलाओं को। ऊपर दिखने की सजा यह समस्या इतनी गंभीर मानी गई है कि खुद राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बयान जारी किया कि ऐसे हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि महामारी के दौरान एशियाई अमेरिकी मूल के लोगों ने फ्रंटलाइन पर रहकर काम किया है। संभवतरू फ्रंटलाइन से उनका तात्पर्य अमेरिकी अस्पतालों में बड़ी संख्या में काम करने वाले भारतीय डॉक्टरों से था। यहां यह जिक्र भी शायद गैर–जरूरी न समझा जाए कि कुछ ही दिन पहले नासा के एक कार्यक्रम के दौरान बाइडेन ने मजाक में कहा था कि भारतीय लोग अमेरिका के महत्वपूर्ण पदों पर काबिज होते जा रहे हैं, जो असल में गलत नहीं है। बाइडेन की टीम में भी कई महत्वपूर्ण पदों पर भारतीय मूल के लोग विराजमान हैं। बाइडेन की स्पीच भी भारतीय मूल के विनय रेड्डी लिखते हैं। एशियाई अमेरिकियों पर हमलों की गंभीरता का अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नाडेला ने भी इस संबंध में बयान दिया है और अमेरिका के कुछ राज्यों में इसके खिलाफ कुछेक संगठनों ने प्रदर्शन भी किए हैं। एशियाई अमेरिकी मूल के लोगों में चीनियों और भारतीयों के अलावा एशिया प्रशांत के कई देशों के निवासी भी आते हैं। मसलन फिलीपींस और इंडोनेशिया जैसे देशों के लोगों के खिलाफ हमले बढ़े हैं। इसकी एक बड़ी वजह कोरोना से जुड़ी मानी जा रही है। पूर्व राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के कार्यकाल में कोरोना वायरस को वूहान वायरस कह कर प्रचारित किया गया। इससे लोगों का गुस्सा चीनी मूल के लोगों की ओर मुड़ा और उनके खिलाफ हमले बढ़े। खास कर न्यू यॉर्क में। इसके बाद जब बिजनेस बंद होने लगे और लोगों में बेरोजगारी बढ़ी तो भारतीय लोगों पर भी हमले हुए। भारतीय समुदाय अमेरिका के सबसे समृद्ध तबकों में से एक माना जाता है। आम तौर पर भारतीय लोग अमेरिका में या तो सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं या डॉक्टर हैं या ऐसे ही अन्य पेशों से जुड़े होते हैं जो उन्हें उच्च आय वर्ग का बनाते हैं। इसके अलावा भारतीय ग्रॉसरी स्टोर्स और भारतीय रेस्टोरेंट्स की भी अमेरिका में अच्छी–खासी संख्या है। जाहिर है, बेरोजगारी और आर्थिक रूप से तंगी झेल रहे गरीब अमेरिकियों की नजर में सबसे पहले भारतीय और एशियाई लोग ही आते हैं। ऐसे में अगर कोई धारा उनके गुस्से को इन समुदायों की ओर मोडने की कोशिश करे तो इन लोगों पर हमले की आशंका स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। पिछले साल संयुक्त राष्ट्र ने भी अपनी एक रिपोर्ट में अमेरिका में एशियाई मूल के लोगों के खिलाफ हुए हमलों पर चिंता जताई थी। गौर करने की बात यह है कि इन हमलों में एक खास तरह का पैटर्न देखा गया है। ये हमले खास तौर पर बड़े शहरों में हुए हैं। मसलन कैलिफोर्निया के बे एरिया में, सैन फ्रांसिस्को में और न्यू यॉर्क जैसी जगहों पर। इन शहरों में बड़ी संख्या में भारतीय रहते हैं और पिछले कई महीनों से कुछ संगठन इस मामले में सरकार पर दबाव बनाने की कोशिश करते रहे हैं। लेकिन ट्रंप के शासन काल में इन बातों पर ध्यान नहीं दिया गया था। बाइडेन के आने से यह स्थिति बदली है। अब सरकार ने कड़ा रवैया अपनाया है ताकि ऐसी घटनाओं पर अंकुश लग सके। मगर समाज के एक हिस्से में नफरत इतने गहरे बैठी हुई है कि सिर्फ प्रशासनिक सख्ती से इसे काबू नहीं किया जा सकता। कुछ जानकारों का मानना है कि उपराष्ट्रपति के रूप में भारतीय मूल की महिला कमला हैरिस का चुना जाना इन हमलों के लिए उकसावे का काम कर रहा है लेकिन फिलहाल ऐसे प्रमाण नहीं मिले हैं। एफबीआई के अनुसार हिंसा की कुछ घटनाओं में नस्ली भेदभाव का पुट जरूर देखने को मिला है। ध्यान देने की बात है कि अमेरिका में विदेशी मूल के लोगों के खिलाफ हिंसा की घटना नई नहीं है। उन्नीसवीं सदी के उत्तरार्ध में जब चीनी लोगों ने अमेरिका आना शुरू किया था तो उनके खिलाफ भी व्यापक हिंसा हुई थी। तब अमेरिका के गरीब लोगों को लगा था कि चीनी लोग उनकी नौकरियां हथिया रहे हैं। अमेरिका के न्यू यॉर्क में आयरिश गैंगों के बीच व्यापक हिंसा की कहानियों पर हॉलिवुड में फिल्में भी बनी हैं। इसी तरह इटली के लोग जब आए थे तो उनकी मदद माफिया ने की थी। भेदभाव का लंबा इतिहास कहने का तात्पर्य यह है कि अमेरिका को भले ही सपनों की धरती और प्रवासियों का देश कहा जाता हो लेकिन प्रवासियों के प्रति भेदभाव को लेकर अमेरिका का लंबा इतिहास रहा है। दो दशक पहले जब 11 सितंबर 2001 को अमेरिका में ट्विन टावर पर आतंकी हमले की घटना हुई थी तो मुस्लिम समुदाय के या अरबी नाम वाले हर व्यक्ति को भेदभाव झेलना पड़ा था, खासकर उसको जिसकी दाढ़ी या पगड़ी थी। इसी गलतफहमी में भारत के सिख समुदाय के लोग भी बड़ी संख्या में निशाने पर आए। बहरहाल, अमेरिका कोरोना वायरस के चंगुल से धीरे–धीरे बाहर निकल रहा है लेकिन नस्ली हिंसा की चुनौती अभी भी उसके सामने मुंह बाए खड़ी है, चाहे वह काले लोगों के प्रति हो या एशियाई मूल के अमेरिकी लोगों के प्रति। बैंक कर्मियों का भरोसा ही खोलेगा सुधार की राह जयंतीलाल भंडारी इस समय जब सरकार बैंकिंग सुधारों की डगर पर तेजी से आगे बढ़ रही है, तो बैंक कर्मियों के बीच प्रस्तावित सुधारों का विरोध भी बढ़ता नजर आ रहा है। बैंकों के निजीकरण के विरोध में 15 और 16 मार्च को राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल रही। ऐसे में यह जरूरी है कि सरकार बैंकिंग सुधारों और बैंक कर्मचारियों के हितों के बीच तालमेल बिठाते हुए आगे बढ़े। हाल ही में फाइनेंस सेक्टर से जुड़े एक वेबिनार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सरकार बैंकिंग क्षेत्र को मजबूत, प्रतिस्पर्धी और जनहितैषी बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने रेखांकित किया कि बैंकों द्वारा गैर–पारदर्शी तरीके से कर्ज दिए जाने की संस्कृति को समाप्त करके एनपीए की एक–एक पाई का लेखा–जोखा सामने लाना सरकार की नीति है। बदलाव का परिदृश्य देश में बैंकों की बदलती भूमिका के तीन परिदृश्य दिखाई दे रहे हैं– एक, निजी क्षेत्र के सभी बैंकों को सरकार से जुड़े विभिन्न कार्यों के लिए अनुमति देना, दो, छोटे और मझोले आकार के सरकारी बैंकों का चरणबद्ध निजीकरण करना और तीन, कुछ सरकारी बैंकों को मिलाकर बड़े मजबूत बैंक के रूप में स्थापित करना। पिछले महीने 24 फरवरी को वित्त मंत्रालय ने निजी क्षेत्र के सभी बैंकों को सरकार से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे कर संग्रह, पेंशन भुगतान आदि में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी। अब तक निजी क्षेत्र के केवल कुछ बड़े बैंकों को ही सरकार से संबंधित कामकाज करने की अनुमति थी। स्वाभाविक ही इस फैसले से अर्थव्यवस्था के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में निजी बैंकों की भागीदारी बढ़ जाएगी। याद रहे कि वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने 1 फरवरी को बजट प्रस्तुत करते हुए सरकारी बैंकों के निजीकरण की घोषणा की थी। उनके मुताबिक कुछ सरकारी बैंकों का निजीकरण अपरिहार्य है क्योंकि सरकार के पास पुनर्पूंजीकरण की राजकोषीय गुंजाइश नहीं है। इससे पहले पी जे नायक की अध्यक्षता वाली भारतीय रिजर्व बैंक की समिति भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को सरकार के नियंत्रण से बाहर निकालने की सिफारिश कर चुकी है। इसी सिलसिले में सरकार ने छोटे एवं मझोले आकार के चार सरकारी बैंकों को निजीकरण के लिए चिह्नित किया है। ये हैं– बैंक ऑफ महाराष्ट्र, बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक और सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया।

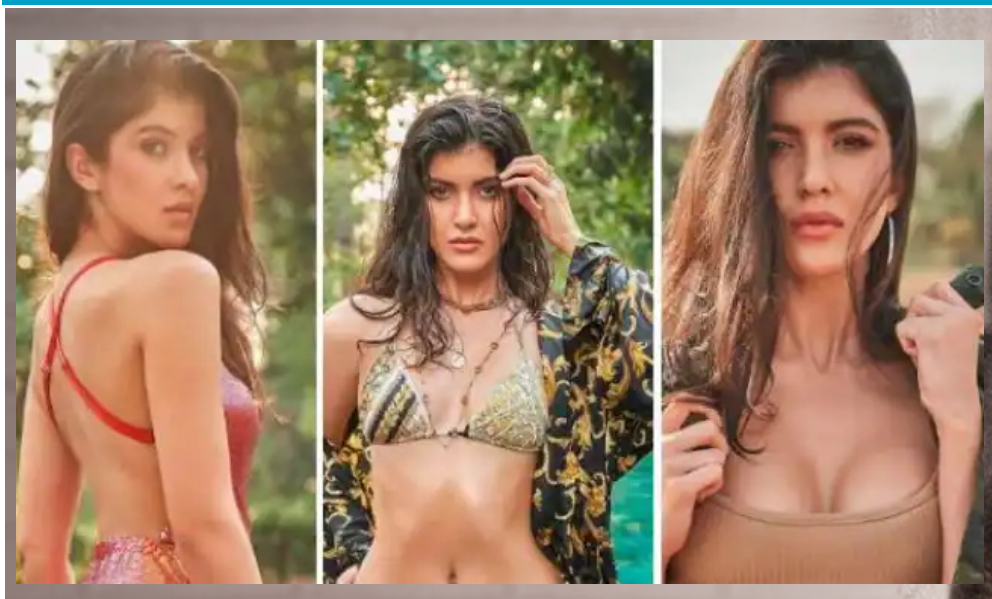

# करण जौहर ने शनाया कपूर के हॉट लुक के साथ की डेब्यू की घोषणा, लोगों ने किया ट्रोल

संजय कपूर की बेटी और जान्हवी कपूर की चचेरी बहन बॉलिवुड डेब्यू कर रही हैं। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम पर इस बारे में अनाउंसमेंट किया है। करण ने शनाया के कुछ ग्लैमरस तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए हैं। उन्होंने बताया है कि शनाया धर्मा मूवीज से डेब्यू कर रही हैं। इन पोस्ट पर करण जौहर को जमकर ट्रोल किया जा रहा है। शनाया के डेब्यू का लंबे वक्त से इंतजार संजय और महीप कपूर की बेटी शनाया के डेब्यू के लंबे वक्त से चर्चे थे। अब करण जौहर ने ऑफिशली अनाउंस कर दिया है कि वह शनाया को लॉन्च कर रहे हैं। उन्होंने अपने पोस्ट में बताया है कि शनाया इस जुलाई धर्मा मूवीज से फिल्मों में आ रही हैं। कई लोग इस बात पर खुशी जता रहे हैं वहीं करण को फिर से स्टारकिड को लॉन्च करने के लिए ट्रोल किया जा रहा है। लोगों ने लिखा– बाहरवालों को चांस दो लोगों ने लिखा है, कभी तो बॉलीवुड से बाहर भी लोगों को चांस दे दो। एक और यूजर्स ने लिखा है, अगर टैलेंटेड है तो क्यों नहीं लेकिन यह तो एक और बार्बी डॉल जैसी लड़की लग रही है। इन स्टारकिड्स को किया है लॉन्च करण जौहर इससे पहले आलिया भट्ट, जाह्नवी कपूर, अनन्या पांडे, वरुण धवन जैसे स्टारकिड्स को लॉन्च कर चुके हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम की प्रिवेसी हटा दी थी और उनकी ग्लैमरस तस्वीरें, वीडियोज सुर्खियों में थे।

# 18 किलो वजन घटाने के बाद फरदीन खान ने बदल लिया अपना पूरा लुक

बॉलीवुड अभिनेता फरदीन खान ने इन दिनों अपने ट्रांस्फॉर्मेशन को लेकर जबरदस्त सुर्खियों में बने हुए हैं। काफी समय तक लाइम लाइट से दूर रहने के बाद उन्होंने एक बार फर से कमबैक की तैयारी कर ली है। इसके लिए उन्होंने पहले अपनी फिटनेस पर ध्यान दिया, वहीं अब फरदीन खान ने अपना लुक ट्रांस्फॉर्म कर दिया है। हाल ही में उनकी जो तस्वीरें सामने आई हैं, उन्हें देखकर फैंस हैरान रह गए हैं। फरदीन खान ने अपने हेयर स्टाइल में भी मेजर चेंजेज कर डाले हैं। फरदीन खान को हाल ही में पैपराजी ने एक सलून के बाहर स्पॉट किया है, उस दौरान वो अपने चेहरे को मास्क से ढके दिखाई दिए थे। वहीं अब फरदीन की सलून के अंदर से तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में फरदीन को पहचानना मुश्किल हो रहा है। ये तस्वीरें हेयरस्टाइलिस्ट ।सपउ भंपउ ने अपने इंस्टाग्राम एकाउंट पर साझा की हैं। इन फोटोज में फरदीन डेनिम शर्ट और ब्लैक शेड्स में नजर आ रहे हैं। वहीं ।सपउ पीछे से फरदीन की मिरर फोटो लेते नजर आ रहे हैं। यहां देखें वायरल हो रही फरदीन खान की ये फोटो– इस तस्वीर में फरदीन खान का अंदाज फैंस को खूब पसंद आ रहा है। हर कोई उनके ट्रांस्फॉर्मेशन की जमकर तारीफें करता दिखाई दे रहा है। कई मीडिया रिपोर्ट्स में कयास लगाए जा रहे हैं फरदीन जल्द ही बड़े पर्दे पर वापसी करने जा रहे हैं। यही कारण है कि वो अपने लुक्स और फिटनेस पर इस तरह ध्यान दे रहे हैं। बता दें कि साल 2020 में एक इंटरव्यू के दौरान फरदीन ने 18 किलो वजन घटाने को लेकर खुलकर बात की थी। उन्होंने बताया था कि वो फिटनेस हासिल करने के बाद खुद को 25 की उम्र का महसूस करना चाहते हैं। फिल्म श्प्रेम अगनश से बॉलीवुड डेब्यू करने वाले फरदीन लगभग एक दशक से फिल्मों से दूर हैं।

# कंगना रनौत ने दिखाए 'थलाइवी' में 20 किलो वजन बढ़ने के फोटोज, लोग बोले– बॉडीसूट समझ आ रहा है

कंगना रनौत की फिल्म थलाइवी का ट्रेलर 23 मार्च को रिलीज हो रहा है। इस दिन कंगना का बर्थडे भी है। कंगना फिल्म से जुड़ी कई तस्वीरें शेयर करती रही हैं। ट्रेलर आउट होने के पहले उन्होंने एक बार फिर से कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। साथ ही अपनी वेट चेंज जर्नी के बारे में भी बताया है। कंगना के फैन्स उनके ट्रांसफॉर्मेशन की तारीफ कर रहे हैं वहीं कुछ ट्रोल भी कर रहे हैं। कंगना ने बताया अपना चौलेंज कंगना ने लिखा है, थलाइवी का ट्रेलर लॉन्च होने में एक दिन बाकी है। इस एपिक बायोपिक की शूटिंग में 20 किलो वजन बढ़ाना फिर कुछ ही दिनों में कम करना ही अकेला चौलेंज नहीं था जिसे मैंने फेस किया, कुछ घंटों में इंतजार खत्म हो रहा है, जया हमेशा के लिए आपकी होंगी। फैन्स को श्थलाइवीश के ट्रेलर का बेसब्री से इंतजार है। कुछ यूजर्स नेगेटिव कॉमेंट्स भी कर रहे हैं। कंगना ने दिखाए दोनों लुक इस फिल्म में कंगना तमिलनाडु की मुख्यमंत्री रहीं दिवंगत जयललिता का रोल प्ले कर रही हैं। पॉलिटिशन बनने से पहले जया तमिल फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा थीं। कंगना ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें वह रेट्रो आउटफिट्स के साथ जयललिता के आइकॉनिक लुक में दिख रही हैं। ये हैं अपकमिंग प्रोजेक्ट्स कंगना पहले भी बता चुकी हैं कि वजन बढ़ने की वजह से उनकी पीठ में दिक्कत हो गई थी। श्थलाइवीश को डायरेक्टर एएल विजय डायरेक्ट कर रहे हैं। कंगना के पास श्धाकड़श और श्तेजसश जैसे प्रोजेक्ट हैं। वह इनकी शूटिंग से जुड़े पोस्ट भी करती रहती हैं।

# सोफी चौधरी ने कलरफुल शॉर्ट ड्रेस में इंटरनेट पर ढाया कहर

बॉलीवुड एक्ट्रेस, सिंगर और डांसर सोफी चौधरी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। सोफी चौधरी आए दिन इंस्टाग्राम पर अपनी अदाओं से फैन्स को दीवाना बनाती नजर आती हैं। एक बार फिर सोफी चौधरी ने अपने दिलकश अंदाज से इंटरनेट पर आग लगा दी है।

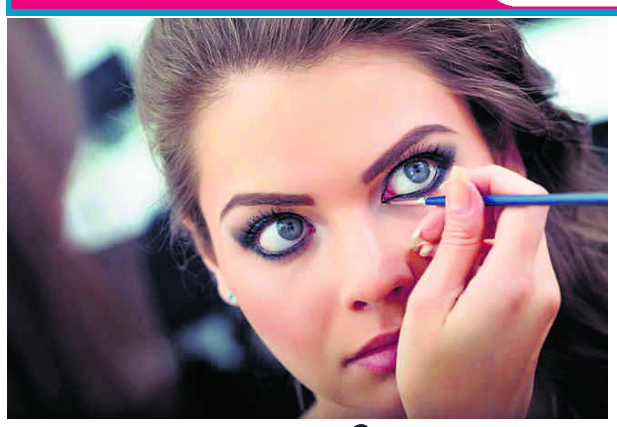

## कजरा पार्टी वाला, अंखियों में ऐसा डाला...

पार्टी में जाने के लिए स्टाइलिश ड्रेस भले आपने पहन ली, लेकिन अगर मेकअप में कुछ कमी रह गयी तो कुछ फीका–फीका सा लगेगा। मेकअप भी खासतौर से आंखों का। कई बार देखने में आता है कि महंगी और स्टाइलिश ड्रेस पहनने के बावजूद वैसा लुक उभर कर नहीं आता जो आना चाहिए था। इसकी एक बड़ी वजह आपका मेकअप है क्योंकि ज्यादातर देखने में आता है बहुत सी महिलाएं और लड़कियां ड्रेस तो स्टाइलिश पहन लेती हैं, लेकिन उन्हें मेकअप सही से करना नहीं आता या फिर वे इस तरफ ज्यादा ध्यान ही नहीं देतीं। यहां बता दें कि पार्टी वगैरह में जाने के लिए जितना जरूरी आपकी ड्रेस का स्टाइलिश होना है, उतना ही जरूरी हो जाता है आपका अट्रैक्टिव मेकअप। मेकअप का सबसे अहम हिस्सा है काजल। काजल से आपकी आंखें बोलती लगेंगी और स्टाइलिश ड्रैस में आपके लुक को भी लगेंगे चार चांद। ब्यूटीशियन नीतू गोयल कहती हैं कि यह बेहद जरूरी है कि जब भी आप काजल लगाएं तो बाकी मेकअप से उसके मैचिंग को जरूर देखें। यहां हम आपको डिफरेंट कलर्स के काजल का सही तरह से इस्तेमाल के बारे में बता रहे हैं तो आइये जानते हैं काजल और उनके इस्तेमाल के बारे में–

ब्लू काजल

काजल में यदि आप नीला रंग इस्तेमाल करते हैं तो इससे आपकी आंखे बहुत ही खुबसूरत नजर आती हैं। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि यह हर कलर टोन पर अच्छा लुक देता है। ब्लू काजल को यदि आप मॉडर्न ड्रैस के साथ अपनी आंखों पर लगाती हैं तो आप और भी अधिक मॉडर्न नजर आएंगीं। इसके साथ पिंक कलर का लिप कलर ज्यादा अट्रैक्टिव लगता है।

हरे रंग का काजल

यूं तो काजल में ग्रीन कलर आमतौर पर पसंद नहीं किया जाता, लेकिन कभी–कबार डिफरेंट लुक के लिए ऐसा करने में कोई हर्ज नहीं। इसलिए यदि आप कुछ डिफरेंट ट्राई करना चाहती हैं तो ग्रीन काजल ट्राई करें। इसको लगाने से आपके चेहरे का लुक बेहद आकर्षक नजर आएगा।

साथ ही इस काजल की खासियत है इसे आप कहीं भी किसी भी आउटफिट्स पर लगा सकती हैं। ये आपके चेहरे को सोबर लुक देगा। एक बात का और ध्यान दें, जब आप काजल में ग्रीन कलर यूज कर रही हैं तो पलकों पर मस्कारा के दो कोट लगाएं। साथ में लिपस्टिक में न्यूड कलर इस्तेमाल करे। आप बेहद आकर्षक नजर आएंगी।

वॉयलेट कलर

यदि आप चाहती हैं कि पार्टी मे आपका पूरा लुक ऐसा लगे कि आप सभी में डिफरेंट नजर आएं तो कुछ खास ट्राई करें। वॉयलेट काजल कलर इस्तेमाल करें, लोअर वॉटर लाइन पर इसे लगाएं फिर इसके बाद मस्कारा के दो कोट लगाएं साथ ही आईब्रो पर ब्राउन कलर की पेंसिल अप्लाई करें। आप देखेंगी आपके फेस को अपर पार्ट कितना अट्रैक्टिव नजर आ रहा है।

ब्राउन कलर

यदि आप थोड़ा सिंपल रहना चाहती हैं और किसी पार्टी में नही जा रही हैं तो आप ब्राउन कलर काजल का इस्तेमाल कर सकती हैं। लेकिन यदि आप पार्टी में जा रही हैं और आपको स्मोकी लुक चाहिए तो ब्राउन काजल को आंखों में नीचे और ऊपर दोनों जगह इस्तेमाल करें साथ ही मस्कारा के दो कोट का इस्तेमाल करना न भूलें... और हां लिपस्टिक में न्यूड कलर का ग्लोस इस्तेमाल करना है।

आपका ये स्मोकी मेकअप आपको मॉर्डन के साथ महफिल में डिफरेंट बना देगा।

वाइट काजल

वाइट काजल कलर लगाने में ज्यादा महिलाएं कतराती हैं क्योंकि इसमें आंखें एकदम से ज्यादा हाईलाइट हो जाती हैं। साथ ही यदि आपने इसे सही से नहीं लगाया तो आप ब्यूटीफुल लगने के बजाय अजीब नजर आएंगी। आंखों के नीचे वाली वॉटरलाइन पर पहले ब्लैक काजल का इस्तेमाल करें और फिर उसके नीचे पतला सा वाइट काजल लगाएं।

ब्लैक काजल

ब्लैक काजल एवरग्रीन है उसे आप जब चाहे कहीं भी लगा सकती हैं। यहां तक कि उसे तो घर में महिलाएं लगाएं रखती हैं। लेकिन जरूरी है कि इसे आप अपनी आंखों की शेप को ध्यान में रखते हुए, मौके के अनुसार मोटा या पतला लगाएं। खासकर पार्टी में जाते समय इसे प्रॉपर तरीके से लगाना बेहद आवश्यक है।

रीतिका गिल

मेघा कोहली

सिरातिया बोरा

करेन थेपथोमी

# शिखर तक नाप ली डगर

जिस उम्र में लड़के धनुष बाण, गुलेल और खिलौना बंदूकों के साथ खेलने में व्यस्त रहते हैं, उस उम्र में लड़कियों को गुड़िया और खिलौना किचन सेट जैसे तोहफे दे दिये जाते हैं ताकि रूढ़िवादी भूमिका निभाने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जा सके। यानी आगे चलकर वे किचन और बच्चे संभालें। मिथकों और किंवदंतियों में भी, महिलाओं से, परिवार और अचानक आये मेहमानों की खातिरदारी करने की उम्मीद की जाती है। बेहतरीन भोजन खिलाने की उम्मीद की जाती है, जबकि पुरुषों की स्थिति इस एपिक रोमांच से अलहदा होती है। महाभारत की एक कहानी के अनुसार द्रौपदी इसी तरह की चुनौती का सामना करने में सफल रही क्योंकि उन्हें भगवान कृष्ण से आशीर्वाद में अक्षयपात्र मिल गया। हालांकि बेहतरीन पाक कला में भीम और राजा नाला जैसे राजकुमारों का सम्मान से जिक्र किया जाता है। हमें अभी तक पुरुष प्रधान उस मानसिकता से छुटकारा नहीं मिला है कि महिला के लिए सही जगह उसके घर की चहारदीवारी या रसोईघर है। वह घरेलू रसोई पर राज कर सकती है, लेकिन एक शेफ के तौर पर अपने करिअर का सपना नहीं देख सकती। लंबे समय से, इसके लिये तमाम तरह के तर्क भी दिए जाते रहे हैं। मसलन होटल और रेस्तरां में लंबे समय तक काम करने के जो घंटे हैं, इससे पारिवारिक जीवन तनाव में आ जाता है। उस पर कुकिंग का यह क्षेत्र पुरुष प्रधान है जिसमें काम के माहौल के साथ तालमेल बिठाना आसान नहीं है। इस तरह के पूर्वाग्रह अकेले भोजन की दुनिया में ही नहीं हैं, कई अन्य क्षेत्रों में भी हैं और ऐसी स्थिति भारत में ही नहीं, दुनियाभर में है। खैर, इस सबके बावजूद महिला किचन ब्रिगेड ने नकारात्मक तर्कों को तवज्जो नहीं दी। इस शिखर पर आज कई महिलाओं ने परचम लहराकर अपने हुनर का परिचय दिया है। आइये जानते हैं ऐसी ही कुछ महिलाओं और उनके काम के बारे में– भिकू मानेकशॉ तमाम चुनौतियों के बावजूद कुछ महिलाओं ने इस क्षेत्र में अपना परचम लहराया है। इनमें एक हैं भिकू मानेकशॉ। जो अपने कॉर्डन ब्लू क्रेडेंशियल्स के साथ, महिला शेफ के बीच अलग पहचान रखती हैं। कई सालों तक वह इंडिया इंटरनेशनल सेंटर से जुड़ी रहीं और अपने मेन्यू के जरिये शानदार पहचान बनाई और एक छाप छोड़ी। भिकू मानेकशॉ की मेंटर थंगम फिलिप रहीं। थंगम इंस्टीट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम), मुंबई में कई साल तक प्रिंसिपल रहीं। उनका मिशन शेफ बनने की इच्छा रखने वालों को ट्रेनिंग देना था। यही वजह थी कि आगे चलकर उन्होंने हॉस्पिटेलिटी इंडस्ट्री को अपने करिअर के तौर पर चुना। देखो–सीखो और पकाओ यहां ऐसी ही कुछ और पाथब्रेकर्स का जिक्र जरूरी है, जिन्होंने इस क्षेत्र में कामयाबी हासिल की। मिसेज बलबीर सिंह और मधुर जाफरी ऐसी ही महिलाओं में से हैं। इन्होंने कुकिंग के फील्ड में न केवल अपने ज्ञान का प्रदर्शन किया, बल्कि महारत हासिल की। ऐसा कतई नहीं है कि यह केवल अंग्रेजी बोलने वाली कुलीन वर्ग की महिलाओं का क्षेत्र है। या केवल उन्होंने ही यहां पहुंचने के लिये स्ट्रगल किया। तमिल क्लासिक 'सेमिटु पार' (देखो, सीखो और पकाओ) की लेखिका जानकी अम्मल, ने नयी दुल्हनों की चुनौतियों को समझते हुए उनके लिये कुकिंग की यह गाइड बुक लिखी है। यह किताब गृहणियों को शादियों और अन्य पारिवारिक समारोहों के मौकों पर भोजन बनाने जैसी हर चुनौती से निपटने में उनकी मदद करती है। हाल ही के वर्षों में महिलाओं ने कुकबुक से लेकर कमर्शियल किचन, होटलों और रेस्तरां में भारतीय व्यंजनों के साथ कई तरह के प्रयोग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। जिक्र करने योग्य बात यह है कि इन महिलाओं ने अपने रास्ते में किसी भी तरह की बाधाओं को कभी आड़े नहीं आने दिया। इन्होंने न केवल अपने दम पर अपनी प्रतिभा को साबित किया बल्कि ये क्वीन या विजेता बनकर उभरी हैं। बात जब महिला शेफ की हो रही है तो यहां पर टेकअवे जोन का जिक्र भी लाजिमी है। यह ऐसा क्षेत्र है जो हाल ही में खासा प्रचलित हो रहा है यहां सबसे ज्यादा कुलिनरी एक्शन फरमाए जाते हैं। एनसीआर में फौजिया और अम्मा जलाली ऐसे टेकअवे हैं जो हर दिन 150 मील बनाकर सर्व करते हैं। रोहिलखंड से ताल्लुक रखने वाली ये महिलाएं सास बहू की टीम के साथ होटलों में फूड फेस्टिवल की सीरीज प्रस्तुत करती हैं। इसके लिये इन्हें व्यापक तौर पर पहचान और सम्मान मिला है। अनाहिता डोंडी अनाहिता डोंडी, खेलने कूदने की उम्र में ही किचन के बर्तनों के साथ खेलते–खेलते और मां का हाथ बंटाते हुए कब खाना बनाने में दिलचस्पी लेने लगी, उन्हें खुद भी पता नहीं चला। स्कूल खत्म होते ही अनाहिता ने आईएचएम औरंगाबाद का रुख कर लिया। यहां से ग्रेजुएशन करके निकलीं। पारसी परिवार में जन्मी अनाहिता को 'सोडा बोतल ओपनर वाला' चेन के साथ पार्टनर शेफ के तौर पर पहचाना जाता है। रेस्टोरेंट की इस चेन को विशेष तौर पर पारसी भोजन के लिये जाना जाता है। खान मार्केट दिल्ली और साइबर हब गुरुग्राम में इसका अच्छा खासा नाम है। चेहरे पर हर वक्त प्यारी सी मुस्कान लेकर स्ट्रेस फ्री एनवायरनमेंट में वह अपनी टीम के साथ काम करना पसंद करती हैं। लॉकडाउन के दौरान उन्होंने टेकअवे का काम भी स्टार्ट कर दिया। अपनी मां के साथ काम में हाथ बंटा रही अनाहिता बर्गर और सैंडविच जैसे स्नैक्स में कई विविधताएं लाने के लिए भी जानी जाती हैं। शेफ डोमा वांग बंगाल की चर्चा में शेफ डोमा वांग का जिक्र लाजिमी हो जाता है। डोमा को लोग क्वीन ऑफ मोमोज के नाम से ज्यादा जानते हैं। वह ब्लू पॉपीज रेस्तरां चेन की क्रियेटर हैं। ब्लू पॉपीज अब सिलिगुड़ी में भी अपनी चेन चला रहा है। इनके अलावा एक नाम है रितु डालमिया का, जिन्होंने इतालवी दूतावास सांस्कृतिक केंद्र में कैफेटेरिया चलाने की उपलब्धि हासिल की। रितु कुछ साल पहले सुर्खियों में आयी और तब से पीछे मुड़कर नहीं देखा। सेल्फ टॉट शेफ कहलाती हैं रितु। यानी इन्होंने अपनी रेसिपीज खुद गढ़ी हैं। वह खुद को अल्फा महिला कहने में जरा भी नहीं हिचकतीं और शानदार तरीके से अपनी टीम को लीड करती हैं। ऐसी ही प्रतिभाशाली क्वीन हैं नीता नागराजन। नीता ने आईएचएम से ग्रेजुएशन के बाद कई कामयाबी हासिल कीं। आईएचएम तब पुरुषों का गढ़ माना जाता था। ताज ग्रुप के साथ शुरुआत कर, कई रास्तों से होकर गुजरी हैं नीता। अब जेपी होटल चेन की कॉर्पोरेट एक्जीक्यूटिव शेफ तक पहुंचीं। मनीषा भसीन नीता के बाद की जेनरेशन की हैं और आईटीसी होटल्स में कॉर्पोरेट एक्जीक्यूटिव शेफ हैं। वह लो प्रोफाइल रहना पसंद करती हैं। लेकिन विभिन्न व्यंजनों के बारे में अपने ज्ञान और व्यवहार के साथ और प्रशासनिक कौशल के लिए भी बहुत सम्मान उन्हें मिलता है। कामयाब किचन क्वींस यह बात भी काबिले गौर है कि जिन युवतियों ने अपनी सीनियर महिलाओं के पदचिन्हों पर चलने की कोशिश की उन्होंने इस क्षेत्र में खुद को साबित भी किया है। पांच सितारा होटलों में काम करने के बाद, उनमें से कई ने उद्यमी बनने और अपने खुद के रेस्तरां खोलने का विकल्प चुना है, जहां वे कामयाबी के शिखर को छू रही हैं। आइये जानते हैं ऐसी टॉप शेफ के बारे में– मेघा कोहली मेघा कोहली वह महिला शेफ हैं जिन्होंने अंडर 40 के तहत 40 शेफ की प्रतिष्ठित कोंडे नास्ट सूची में जगह बनाई है। मेघा ने टाइम्स बेस्ट शेफ ऑफ द ईयर का पुरस्कार भी जीता है। ओबेरॉय ग्रुप ऑफ होटल्स से किचन और क्राफ्ट मैनेजमेंट में ट्रेंड मेघा कोहली ने आर्मेनियन स्पेशियलिटी रेस्टोरेंट के लिये दुनिया भर से तारीफें भी बटोरीं। सिरातिया बोरा सिरातिया बोरा, वह थाई महिला हैं, जो एक भोजन प्रेमी बंगाली शख्स से इंग्लैंड में पढ़ाई के दौरान मिलीं और प्रेम कर बैठीं। इनकी कहानी बहुत लंबी और दिलचस्प है। पढ़ाई के दौरान ही बोरा ने शेफ बनने का फैसला किया क्योंकि उन्हें लगने लगा था कि कुकिंग ही उनकी कला है। पिछले साल, उन्होंने दिल्ली के इंदिरा पुरम में अपने चौथे मंजिल के फ्लैट की रसोई से एक वर्चुअल रेस्टोरेंट एआरओआई को लॉन्च किया। तब से सिरातिया ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वह लगभग 24•7 काम करते हुए थाई व्यंजनों के साथ–साथ पारंपरिक बंगाली व्यंजनों को भी परोसती हैं। करेन येपथोमी करेन येपथोमी, नॉर्थ ईस्ट से आती हैं। दिल्ली के वसंतकुंज में नागा कुलिनरी जुकोऊ चलाती हैं। उनका नेपाल की राजधानी काठमांडू में भी रेस्टोरेंट है। यह तो केवल कुछ झलकियां मात्र हैं। इन शेफ और ईटरीज मालकिनों के अलावा हमारे पास चॉकलेट और पेस्टरीज बनाने वाली महिलाओं की भी एक लंबी सूची है। इनमें से एक हैं गायत्री पेशावरिया, जो अमृतसर में अपना कारोबार कर रही हैं। यहां हम एक और चीज का जिक्र करना जरूरी समझते हैं कि प्रोफेशनल शेफ के तौर पर कार्य कर रहीं भारतीय कुकिंग क्वीन्स के हाथ का स्वाद उतना ही अनोखा है जितनी उनकी करिअर की यात्रा। रीतिका गिल रीतिका गिल, शेफ मंजीत की बेटी हैं, मंजीत ऐसी शख्सियत हैं जिन्होंने दर्जनों शेफ को ट्रेंड किया। रीतिका ने गुरुग्राम में 'करी सिंह का किचन' स्टार्ट किया है। यह खासतौर पर व्यंजनों को अलग–अलग तरह के होम स्टाइल में पेश करने के लिये जाना जाता है। इसके अलावा इस रेस्तरां में और भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाये जाते हैं। रीतिका जीरो वेस्ट और जीरो ट्रांसफर्स की नीति पर चलती हैं। रीतिका यहां आलू बड़ियां, टिंडे और शलगम की देसी सब्जी को अलग तरह के अंदाज यानी होम स्टाइल में बनाकर सर्व करती हैं।

# महिला विरोधी विज्ञापनों के खिलाफ बुलंद करें आवाज

मैं सभी उपभोक्ताओं, विशेष रूप से महिलाओं से आग्रह करूंगी कि उन विज्ञापनों के लिए और अधिक मुखर बनें जो उनके लिए अहितकारी हैं, जो उन्हें बदनाम करते हैं या उनकी छवि खराब करते हैं। आज, असंख्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म हैं जिनका उपयोग ऐसे विज्ञापनों पर अपनी नाराजगी व्यक्त करने और उन्हें रोकने के लिए किया जा सकता है। उत्पादों और सेवाओं की जब बात आती है तो महिलाओं को पूरी तरह जानकारी होनी चाहिए। मैं यहां पर सिर्फ गुणवत्ता या बिक्री के बाद सर्विस की ही बात नहीं कर रही, बल्कि कंपनी की पूरी छवि की चर्चा कर रही हूं। इसमें न केवल कंपनी द्वारा प्रदर्शित नैतिक मानकों और साफ छवि की बात हो, बल्कि इसमें महिलाओं के प्रति उसका दृष्टिकोण भी शामिल हो और उनके विज्ञापनों के बेहतर मापदंड के बारे में भी। दूसरे शब्दों में, जब आप विज्ञापनों को देखते हैं, तो सिर्फ यह नहीं देखते कि वे क्या प्रचार कर रहे हैं, बल्कि एक विचार भी होता है कि वे किस तरह से उत्पाद को आगे बढ़ा रहे हैं और यदि आप उनके कृत्य को नापसंद करते हैं तो अपने विचार व्यक्त करें। इस पर विचार करें कि जब आज के युग में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार कर लिया गया है कि घर के कामों को पति और पत्नी समान रूप से मिलकर निपटाते हैं, पत्नी का स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि पति काय एक महिला को छुट्टी पर जाने और मौज–मस्ती करने का उतना ही अधिकार है जितना पुरुष कोय फिर ऐसा क्यों है कि विज्ञापनों में वही पुरानी छवि पेश की जाती है? बाथरूम क्लीनर के विज्ञापन में महिलाओं को सफाई एजेंटों के रूप में क्यों दिखाना चाहिए? प्रेशर कुकर का विज्ञापन या मसाला ब्रांड का प्रचार या कुकिंग ऑयल का विज्ञापन केवल महिलाओं के लिए ही क्यों होना चाहिए? एडवेंचर और मस्ती को दर्शाने वाले विज्ञापनों में केवल पुरुषों को ही क्यों दिखाया जाना चाहिए? महिलाओं को ऐसा तेल क्यों चुनना चाहिए जो उनके पतियों को स्वस्थ रहने में मदद करे इसके उलट क्यों नहीं? सौभाग्य से, मैं आजकल, कुछ विज्ञापन देखती हूं जो इन रूढ़ियों से दूर जा रहे हैं, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसे विज्ञापन बहुत कम हैं। विज्ञापन संचार का एक सशक्त माध्यम हैं और ये न केवल उपभोक्ता की पसंद को प्रभावित कर सकते हैं, बल्कि उपभोक्ताओं के सोचने और कार्य करने के तरीके को भी प्रभावित करते हैं, खासकर जब उत्पादों या सेवाओं का लाखों अनुयायियों के साथ मशहूर हस्तियों द्वारा समर्थन किया जा रहा हो। विज्ञापनदाता और समर्थनकर्ता दोनों को इसके प्रति संवेदनशील होना होगा और जिम्मेदारी से काम करना होगा। लेकिन हमेशा ऐसा होता नहीं। इसका एक बड़ा उदाहरण फेयरनेस क्रीम और साबुन की मार्केटिंग है। यह सच है कि रंग पूर्वाग्रह हमारे समाज में पहले भी था, लेकिन अपने उत्पादों को बेचने के लिए, दशकों तक इन निर्माताओं ने अपने विषैले संदेशों के जरिये गोरी त्वचा को सुंदरता और सफलता से जोड़ा। जुलाई 2018 में इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मैकेनिकल एंड इंजीनियरिंग टेक्नोलॉजी में प्रकाशित मैसूरू में युवाओं के खरीद–व्यवहार और विश्वास प्रणाली पर फेयरनेस क्रीम के विज्ञापनों के प्रभाव पर एक अध्ययन रिपोर्ट छपी, इसमें सामने आया कि कैसे फेयरनेस क्रीम विज्ञापनों ने सुंदरता की परिभाषा को प्रभावित किया और यह विश्वास पैदा किया कि गोरी त्वचा किसी व्यक्ति का कैलिबर या ताकत है। सुंदर सांवले लोगों के मानस को इन विज्ञापनों ने जो नुकसान पहुंचाया वह अभूतपूर्व है। दुर्भाग्य से, इन पूर्वाग्रहों के कारण हीन भावना रखने वालों में से किसी ने भी इन कंपनियों के खिलाफ मामले दर्ज नहीं किए और न ही मुआवजे की मांग की। इन उत्पादों के एंडोर्सर्स और भी अधिक दोषी हैं क्योंकि मानसिक रूप से हुए नुकसान के लिए उनकी लोकप्रियता का सीधा मामला जुड़ा था। इसी कारण से मैं तर्क दे रही हूं कि बतौर प्रायश्चित ऐसे उत्पादकों को वह सारा पैसा वापस करना चाहिए जो उन्होंने इस तरह के विज्ञापनों के जरिये कमाए हैं और इस धनराशि का उपयोग भारतभर के गांवों में लड़कियों के लिए उच्च श्रेणी के स्कूल और तकनीकी कॉलेज बनाने के लिए किया जाना चाहिए। पिछली फरवरी में, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम में एक संशोधन प्रकाशित किया, जिसमें न केवल त्वचा की फेयरनेस से संबंधित विज्ञापनों पर प्रतिबंध लगाया गया, बल्कि इसके उल्लंघन के लिए सजा भी बढ़ा दी–जेल की अवधि दो साल तक और 10 लाख रुपये तक का जुर्माना। इसे काफी पहले किया जाना चाहिए था, लेकिन अब भी सरकार को इसमें तुरंत प्रभाव से संशोधन करना चाहिए क्योंकि ड्राफ्ट तैयार कर इसे पब्लिक डोमेन में डाले एक साल से अधिक का वक्त हो गया है। लेकिन यहां में कानून के विषय, जनता की राय का महत्व और कार्रवाई पर ज्यादा फोकस नहीं कर रही हूं। हाल के वर्षों में, लोगों के मजबूत विचारों के कारण उत्पादकों को ऐसे विज्ञापन हटाने पड़े हैं। इसलिए, महिला विरोधी विज्ञापनों के खिलाफ मजबूती से डटें और ऐसे उत्पादों का बहिष्कार करें। सच में आप क्रांतिकारी परिवर्तन देखेंगे।

## व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन जायसवाल ने आग से हुई क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर डीएम से मिल मुख्यमंत्री को दिया पत्र

'अमिट रेखा मुनीर आलम राजन

बृजमनगंज महराजगंज। नगर पंचायत बृजमनगंज में 16–17 मार्च को किराना व्यवसायी रूप नारायण के यहां हुई आगजनी की घटना में हुई क्षतिपूर्ति की मांग को लेकर मंगलवार को उद्योग व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन जायसवाल के नेतृत्व में पीड़ित व्यापारी को लेकर डीएम महराजगंज से मिल कर माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश शासन को संबोधित ज्ञापन दिया। ज्ञापन दे कर कहा कि स्थानीय व्यापारी सरकार के नियमानुसार निरंतर कर के रूप में सहयोग व सरकार के समस्त जनकल्याणकारी योजनाओं का पूर्ण रूप से समर्थन भी करते हैं लेकिन बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि हमारे नगर के समाजसेवी व प्रतिष्ठित किराना व्यवसाई रूप नारायण जायसवाल के प्रतिष्ठान ध आवास पर 8 मार्च से शिव महापुराण आयोजित किया गया था जिसका समापन 16 मार्च को हुआ 16–17 की रात्रि को लगभग 1रू00 बजे शार्ट सर्किट से आग लग गई जिसमे 2 घरेलु सिलेंडर भी फट गए जिससे दुकान का संपूर्ण सामग्री ,घरेलू सामान सहित नगदी व जेवरात जलकर खाक हो गए फायर ब्रिगेड की 4 गाड़ी, कस्बे के लोगों व स्थानीय प्रसाशन के सहयोग से लगभग 3 घंटे में आग पर काबू पाया गया इस दौरान लगभग पचास लाख रुपए की क्षति हुई। ज्ञापन के माध्यम से पीड़ित व्यापारी का सहयोग कर छतिपूर्ति प्रदान करने का आग्रह किया। इस मौके पर व्यापार मंडल अध्यक्ष किशन जायसवाल, रूपनारायण जायसवाल, अमित जायसवाल,आदि मौजूद रहे।

## दबंगों ने भाजपा नेता को पीटा हालत गंभीर

अमिट रेखा सत्य प्रकाश यादव

ब्यूरो गोरखपुर। सहजनवां थाना क्षेत्र व आदर्श पुलिस चौकी घघसरा के अन्तर्गत घघसरा निवासी भाजपा नेता दयाशंकर सिंह को दबंगों ने 22 मार्च 2021 सोमवार की सायं लगभग पांच बजे गांव में ही घेर कर पीट दिया । शोर मचाने पर लोगों ने किसी तरह जान बचाई । घायल अवस्था में उन्हें नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार घघसरा लाया गया, जहां डाक्टर प्राथमिक उपचार के बाद हालत को गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल गोरखपुर रेफर कर दिया । मिली जानकारी के अनुसार भाजपा नेता दयाशंकर सिंह वर्तमान में भाजपा जिला कार्यकारिणी के सदस्य हैं । आज वह गांव में किसी परिचित से मिलने गए थे, घर वापस जाते समय अचानक रास्ते में आधा दर्जन युवकों ने घेर लिया और राड–डंडे से पीटने लगे । शोर मचाने पर किसी तरह लोगों ने जांन बचाई । घायल अवस्था में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ठर्रापार घघसरा लाया गया । मामले की जानकारी मिलते ही चिकित्सालय में पहुंची घघसरा पुलिस को वह पुरानी रंजिश को लेकर मारने–पीटने का आरोप लगाया और मौखिक अपना ब्यान दर्ज कराया है । पुलिस फिलहाल मामले की जांच–पड़ताल कर रही है । उक्त संदर्भ में–थाना प्रभारी संजय कुमार मिश्र ने कहा कि–मामले की जांच–पड़ताल की जा रही है । पीड़ित की तरफ से अभी तहरीर नहीं मिली है ,दोषियों के विरूद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी ।

## डाक्टर अग्रेज सिंह द्वारा आरओ वाटर प्लांट का निरीक्षण किया गया

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फरेन्दा के टीम ने नवजीवन मिशन स्कूल फरेन्दा के इमरजेंसी मेडिकल रूम (फर्स्ट ऐड) एवँ आरओ वाटर प्लांट का निरीक्षण किया। सामुदायिक स्वास्थ्य

केन्द्र फरेन्दा के अधीक्षक डॉ अंग्रेस सिंह ने प्रिंसीपल शजी लुइस को स्वास्थ्य सम्बंधित आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिससे बच्चो को किसी भी प्रकार का स्वास्थ्य सम्बंधित परेशानी ना हो,टीम में डॉ सी बी पाण्डेय,वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक केसव शुक्ला,स्वास्थ्य निरीक्षक सत्य प्रकाश मिश्रा,एक्सरे टेक्नीशियन कमलेश चौरसिया भी रहे।

## हिन्दू युवा वाहिनी नगर इकाई सेवरही का गठन

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। हिन्दू युवा वाहिनी नगर इकाई सेवरही का एक आवश्यक बैठक केशरीवानी लॉज में रखा गया जिसमें वार्ड नं–4 राजेन्द्रनगर का गठन किया गया , जिसकी अध्यक्षता पंकज जायसवाल नगर संगठन मंत्री तथा संचालन कृपाशंकर गोलू बाबू नगरमंत्री ने किया। बैठक को सम्बोधित करते हुवे हियुवा नगर इकाई सेवरही के नगर अध्यक्ष रमेश ब्याहुत ने कहा कि हियुवा कार्यकर्ताओ का अनुशासन और संस्कार ही पहचान हैं और हिन्दुत्व के लड़ाई के लिए हियुवा हमेशा हिन्दू समुदाय के साथ खड़ा हैं कार्यकर्ता अधिक से अधिक लोगो को संगठन में जोड़ कर संगठन को और मजबूत बनाये, बैठक में वार्ड नं–4 राजेन्द्रनगर का गठन किया गया जिसमे वार्ड नं–4 का प्रभारी सूरज रौनियार,वार्ड संयोजक रंजीत जायसवाल, वार्ड अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता, वार्ड वरिष्ठ उपाध्यक्ष सन्तोष मद्धेशिया, वार्ड महामंत्री मनीष जायसवाल, वार्ड मंत्री अजय चौरसिया, सत्यम जायसवाल,निर्भय प्रताप, आयुष गुप्ता, वार्ड उपाध्यक्ष मुकेश जायसवाल , चन्दन जायसवाल, बृजेश मद्धेशिया, सूरज जायसवाल, वार्ड संगठन मंत्री अमरनाथ जायसवाल , वार्ड मीडिया प्रभारी आदर्श जायसवाल, सहमीडिया प्रभारी अभिषेक जी, गौरक्षा प्रमुख राकेश जायसवाल को बनाया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना दिया गया। बैठक में मुख्य रूप से विहिम बृजेश गुप्ता, हियुवा के महामंत्री अवधेश मणि बरनवाल, नगर संगठन मंत्री पंकज जायसवाल, नगरमंत्री कृपाशंकर गोलू बाबू, नगर सहमीडिया प्रभारी राहुल रौनियार, सूरज जायसवाल, प्रिंस वर्मा, हरिकेश जायसवाल, राजकुमार जायसवाल, रवि गुप्ता, गोपाल गुप्ता,राहुल गुप्ता, प्रिंस मद्धेशिया, दीपक रौनियार,आर्यन गुप्ता, चन्दन जायसवाल, मनीष कुमार गुप्ता, विकास साहू, उपस्थित रहे।

# नेहरु इंटरमीडिएट कालेज मंसाछापर में प्रेरणा ज्ञानोत्सव समारोह का हुआ आयोजन

अमिट रेखा – राज बरनवाल

जटहा – कुशीनगर। कुशीनगर जनपद के विकास खंड विशुनपुरा मंसाछापर में संचालित नेहरू इंटर मीडिएट कालेज में प्रेरणा ज्ञानोत्सव समारोह आयोजित किया गया । जिसमे मिशन प्रेरणा के तहत 100 दिन का विशेष अभियान से प्रत्येक विद्यालय को प्रेरक बनाया जा सके।इस अवसर के मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री एसपी मौर्य के पीआरओ श्रीराम ने कहा शिक्षक माली की तरह होता है ।बच्चे को शिक्षा नही दिलाने वाला अभिभावक अपराधी के श्रेणी में आता है।मिशन प्रेरणा के कार्यक्रम की शुरुआत सरस्वती वंदना तथा स्वागत गीत के बाद हुआ । कैबिनेट मंत्री स्वामी प्रसाद मौर्य के अनुपस्थिति में मुख्य अतिथि उनके पीआरओ श्रीराम ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा बच्चे की शिक्षा उसके जन्म के बाद से ही शुरू हो जाती है । शिक्षक एक माली की तरह होता है। बच्चे की शिक्षा नही दिलाने वाला अभिभावक अपराधी के श्रेणी में आता है ।स्कूल में शिक्षक द्वारा दिए गए शिक्षण को अभिभावक घर अगर दोहरवाने का काम करें तो बच्चा निश्चित सफल होगा। उन्होंने कहा शिक्षक का चरित्र ठीक है तो बच्चे की संस्कारित जरूर होगी ।शिक्षक अपने नैतिक जिम्मेदारियों को निभाते हुए बच्चों के अंदर अच्छे संस्कार चरित्र का निर्माण करें।इस दौरान मिशन प्रेरणा के अन्तर्गत 100 अभियान, आपरेशन कायाकल्प, आधार शिला , शिक्षण संग्रह आदि को विस्तार पूर्वक बताया गया।इस अवसर पर प्रेरणा लक्ष्य को हासिल करने वाले विद्यालय के प्रेरक बच्चो तथा शिक्षकों को प्रशस्ती पत्र दिया गया। इस दौरान छात्राओ द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। प्रेरणा ज्ञानोत्सव आयोजित समारोह में विकास खंड से आये प्रत्येक विद्यालय से पूरे पांडाल में प्रेरणा कीट, टीएलएम आदि की आकर्षक प्रदर्शनी लगायी गयी थी । कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अनुप मिश्र ने किया। इस दौरान शिक्षक मैतुल मस्ताना द्वारा प्रस्तुत प्रेरणा गीत की सभी ने प्रशंसा की ।इस अवसर पर शिक्षक संघ अध्यक्ष प्रमोद कुमार यादव, संजय मिश्रा, सत्यजीत द्विवेदी, सुनील गुप्ता आदि ने प्रेरमा मिशन पर चर्चा किया तथा प्राथमिक विद्यालय चिरगोड़ा के बच्चों ने मिशन प्रेरणा लक्ष्य हासिल की व शिक्षक प्रधानाचार्य नित्यानंद मिश्र, डॉक्टर राममहेश प्रजापति, बृजनारायण गोंड़, विजय कुमार केसरी, सुनील कुमार, प्रियंबदा चौबे, मिन्ता देवी। प्राथमिक विद्यालय बासी के प्रधानाचार्य सुनील कुमार,प्राथमिक विद्यालय हलुअईया पट्टी प्राथमिक विद्यालय मुसहरी टोला के प्रभारी राजन जी के बच्चों ने मिशन प्रेरणा हासिल किया प्राथमिक विद्यालय ठोरी मोड़ बलराम सिंह ने विशुनपुरा ब्लॉक का नाम रोशन किया।

# दिनेश शर्मा ने किया प्राथमिक विद्यालय, आर्य नगर के जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण का लोकार्पण

लखनऊ,(यूएनएस)। उप–मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने आज प्राथमिक विद्यालय, आर्य नगर, लखनऊ के जीर्णोद्धार एवं नव निर्माण का लोकार्पण सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुवात दीप प्रजुल्लित एवं प्रार्थना गा कर की गयी, उसके बाद स्कूल के छात्रों एवं छात्राओ द्वारा ऊप–मुख्यमंत्री के लिए स्वागत गीत गा कर साथ में डांस किया गया, बेस्ट फ्रेंड फाउंडेशन के अध्यक्ष गौरव माहेश्वरी ने बताया कि उप–मुख्यमंत्री ने उनको इस स्कूल को प्राइवेट स्कूल के स्तर पर तैयार कराने की जिम्मेदारी सौंपी थी। गौरव माहेश्वरी ने बताया कि मा. उपमुख्यमंत्री जी की विधान मंडल क्षेत्र विकास निधि योजनान्तर्गत नया टॉयलेट, इंटरलॉकिंग और बाउंड्री निर्माण करवाया तथा अन्य कार्य जिसमे टाइल्स, प्लास्टर रिपेयरिंग, पेंट, डिजाइनिंग, वॉटर कूलर, झूले, डिजाइनर गमले और अन्य काम समाज के लोगो के योगदान से सम्पन्न कराया गया जिसमें मुख्य रूप से डॉ लक्ष्मीकांत माहेश्वरी एवं परिवार, डॉ अनूप डागा, डॉ अनिल कुमार शर्मा, व्यापर मंडल के वरिष्ठ महामंत्री अमरनाथ मिश्र, अन्य वरिष्ठ व्यापारीगण अनिल विरमानी, पराग गर्ग, सुशील गुरनानी, नवीन गुप्ता, अभिषेक केसरवानी, सचिन जिंदल, आनंद गुप्ता, अमिताभ श्रीवास्तव, जगजीत अरोरा, गुलाम मोइउद्दीन, प्रभु प्रकाश अग्रवाल, नीलमणि वार्ष्णेय, स्वदेश श्रीवास्तव, सुरेश लोधी, शार्दुल गुप्ता, कृपा शंकर मिश्र, मनन जोशी, प्रोनित छाबड़ा, नितिन जैन, अतुल त्रिपाठी एवं मल्टी नेशनल कंपनी में कार्यरत अभिषेक त्रिपाठी, समीरम अग्निहोत्री एवं ज्ञान शंकर श्रीवास्तव ने सहयोग किया। स्कूल में डिजाइनिंग का कार्य आर्टिस्ट पल्लवी आशीष, अरुण कुमार और उनकी टीम द्वारा किया गया। गौरव माहेश्वरी ने बताया कि उन्होंने उपमुख्यमंत्री के दिशा निर्देश के चलते इस स्कूल को प्राइवेट स्कूल के स्तर पर तैयार किया है। पूर्व से ही भाजपा की प्रदेश सरकार स्कूलों के स्तर को सुधारने का काम कर रही है और आने वाले समय मे इससे भी बेहतर स्कूल तैयार करने का काम करेंगे। गौरव माहेश्वरी ने बताया कि आने वाले समय मे वह शिक्षा के क्षेत्र में लगातार काम करते हुए और अन्य स्कूल्स में कायाकल्प हेतु रणनीति बनाते हुए काम करेंगे। उनका प्रयास रहेगा कि वह सरकारी स्कूल्स को प्रदेश सरकार की मदद से आधुनिक रूप दे पाए। आज इस मौके पर उपमुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि वह स्कूल के छात्रों के चहरे पर खुशी देख कर अत्यंत गौरवान्तित महसूस कर रहे है। यह सरकारी स्कूल किसी प्राइवेट स्कूल से सुविधाओ में कम नही है। गरीब का बच्चा भी अब प्रदेश सरकार द्वारा तैयार किये जा रहे आधुनिक स्कूलों में बेहतर शिक्षा प्राप्त करेगा। उप–मुख्यमंत्री डॉ दिनेश शर्मा ने कहा कि वह शिक्षा के क्षेत्र से पूर्व से लगातार जुड़े हुए है और बच्चो के लिए स्कूल्स में बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार कर देने का काम उनकी प्राथमिकता में शामिल है। आज योगी के नेतृत्व वाली सरकार में छात्रों के लिए एक से एक बढकर बदलाव हो रहे है। आज इस स्कूल उद्घाटन के समापन पर स्कूल के बच्चों ने उपमुख्यमंत्री से कहा कि जैसा स्कूल वह सपने में देखते है वैसा स्कूल आज उनको उपमुख्यमंत्री की तरफ से उन्हें उपहार में मिला है। जिसके लिए बच्चो की टीम ने माइक पर आकर उनको धन्यवाद दिया। कार्यक्रम के बाद मा. ऊपमुख्यमंत्री ने पूरे स्कूल के प्रत्येक क्लासों में जा कर निरिक्षण किया और गौरव माहेश्वरी को धन्यवाद दिया कि उन्होंने बच्चो के लिए इस स्कूल को एक मॉडल स्कूल के रूप में तैयार किया।

अनजाना डर, अनहोनी की आशंका और अनिश्चितता का माहौल! ठीक एक बरस पहले कुछ ऐसी ही स्थिति पैदा की थी कोरोना के खौफ ने। हर तरफ सभी हैरान, परेशान थे। हर जुबान पर एक ही सवाल था, क्या होगा? लखनऊ भी इस स्थिति को जी रहा था। विपरीत स्थितियां सामने थीं, लेकिन लोगों ने मैदान नहीं छोड़ा।

# एडवांस तकनीकों की मदद से मल्टीपल मायलोमा का इलाज और लंबे समय तक कंट्रोल करना हुआ संभव : डा. राहुल भार्गव

लखनऊ,(यूएनएस)। मल्टीपल मायलोमा के बारे में लोगों को जानकारी देने के लिए पूरा महीना जागरुकता दिवस के रुप में मनाया जाता है। गौरतलब है कि मल्टीपल मायलोमा एक तरह का कैंसर है, जो प्लाजमा कोशिकाओं में पाया जाता है। प्लाजमा कोशिकाएं आमतौर पर बोन मैरो और कम मात्रा में खून में पाई जाती है। ये ऐंटीबॉड़ीज बनाकर संक्रमण से लड़ने में सहायक होती है। जब ये कोशिकाएं अनियंत्रित तरीके से टूटने लगे और पूरे शरीर में असामान्य तरीके से फैलने लगे, तो मल्टीपल मायलोमा बीमारी होने लगती है। गुरुग्राम के फोर्टीस अस्पताल के इंस्टीट्यूट ऑफ ब्लड डिसऑर्डर्स के डॉयरेक्टर डॉ. राहुल भार्गव ने बताया, "कुछ साल पहले तक मायलोमा का कोई इलाज नहीं था लेकिन नई थेरेपियों में एडवांस तकनीकों और नई दवाईयों के चलते इसे लंबे समय तक नियंत्रित किया जा सकता है। इससे दवाईयों, नई तकनीकों और जीवन बढ़ाने की दर बढ़ी है। जीवन दर को बोन मैरो ट्रांसप्लांट से और अधिक बढ़ाया जा सकता है। इन दिनों ये ज़्यादा महंगा भी नहीं है और रोगी को अस्पताल में करीब 10 दिन रहना होता है।" इन इलाज के तरीकों से लोगों का जीवन दर बढ़ा है और हो सकता है कि पीड़ित लोग 2025 का सूर्योदय भी देख सके और हो सकता है मल्टीपल मायलोमा पीड़ित रोगियों का इलाज भी हो सके। मल्टीपल मायलोमा के कई लक्षण हो सकते हैं, जिसमें गुर्दों का फेल होना आम है और इसके अलावा हड्डियों के टूटने के साथ कमर दर्द, लंबे समय तक अनीमिया होना, थकान और मूत्र में संक्रमण होना भी इस बीमारी के लक्षण हो सकते हैं। ये लक्षण अन्य बीमारियों से मिलते हैं कि इसकी पहचान डॉक्टर ही कर सकते हैं। ऐसे लक्षण होने पर डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए कि ये सामान्य है या फिर मल्टीपल मायलोमा के लक्षण है। इस बारे में डॉ. राहुल भार्गव कहते हैं, " अगर मल्टीपल मायलोमा का शुरुआती दौर में पता चल जाए, तो जीवनदर बढ़ने के चांस ज़्यादा होते हैं। वर्तमान में दवाईयों न तो ज़्यादा महंगी है और न ही इससे बाल झड़ने, दस्त और उल्टी होने जैसे लक्षण भी नहीं होते। मायलोमा के इलाज में दवाईयों का तरीका अब इंसुलिन इंजेक्शन लगाने जैसा होता जा रहा है और साथ में ओरल दवाईयां है। इससे रोगी की जिंदगी काफी आसान हो रही है।

## पुलस्त एनकाउंटरः एसीपी बीनू सिंह भी शामिल थीं

लखनऊ,(यूएनएस)। 09 अगस्त 2020 की रात सर्वोदय नगर, लखनऊ निवासी पुलस्त तिवारी के कथित मुठभेड़ में पुलस्त के अनुसार अन्य पुलिस वालों के साथ एसीपी बीनू सिंह भी शामिल थीं. यह बात एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर द्वारा जारी पुलस्त के घरवालों द्वारा बनायीं गयी पुलस्त की एक विडियो से सामने आया है। इस विडियो में पुलस्त बता रहे हैं कि उनके कथित मुठभेड़ में कौन–कौन पुलिसवाले शामिल थे और किस प्रकार से इस घटना को अंजाम दिया गया. उनके अनुसार उन्हें ले कर कूड़ा वाले रास्ते पर औरंगाबाद क्रासिंग के पास ले जाया गया. वहां एसीपी ने दोनों तरफ के रास्ते ब्लाक करा दिया. इसके बाद उनके हाथ–पाँव बाँध दिए गए. उन्हें कहा गया कि उन्हें मात्र एक गोली मारा जायेगा. इसी बीच वहां से माल गाड़ी गुजरी और उसी समय उनपर फायरिंग कर दी गयी. इसके बाद पुलिसवालों ने कहीं से ला कर काले रंग की स्प्लेंडर वहां गिरा दी. साथ ही जबरदस्ती उनके हाथ में कट्टा पकड़ा दिया गया. इसके बाद उन्हें सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहाँ नाटकीय ढंग से इस मुठभेड़ की घटना को प्रचारित किया गया।

## विशुनपुरा थाने से पचास मीटर की दूरी पर स्थित कंट्रक्शन प्लांट से स्कॉर्पियो गाडी चोरी

अमिट रेखा – रमाशंकर सिंह

कुशीनगर। जनपद के तमकुहीराज सीओ सर्किल क्षेत्र के विशुनपुरा थाने के करीब पचास मीटर की दूरी पर कंट्रक्शन कम्पनी स्थापित है जो पडरौना से विशुनपुरा होते हुए, तमकुही पिच मार्ग को निर्माण करा रहा है ।बताते चलें कि बीते रात कंट्रक्शन कम्पनी के परिसर मे स्कार्पियो गाडी खडी थी जिसको अज्ञात चोरों ने उडा दी। बताते चलें कि विशुनपुरा थाने के बगल से इस चोरी की अपराध से जहां दहशत का माहौल है वही अपराधी अपराध करके अपना ठिकाना विशुनपुरा थाना क्षेत्र मे बनाकर पुलिस को चुनौती देने से बाज नहीं आ रहे है जिससे पुलिस कार्यप्रणाली पर प्रश्न चिन्ह खडा कर दिया है ।विशुनपुरा थाना क्षेत्र मे चुस्त दुरुस्त ब्यवस्था को बनाने रखने नये थानेदार को कानून ब्यवस्था की जिम्मेदारियों के साथ थाने पर भेजा गया लेकिन अब तक किसी भी घटना का पर्दाफाश नहीं हो सका।अपराधी क्षेत्र में चुनौती देकर घटनाओं को अंजाम देने मे लगे है।गौरतलब है कि कंट्रक्शन कम्पनी विशुनपुरा थाने के बगल में कुछ दूरी पर स्थित है ।बीते रात कम्पनी के परिसर मे खडी स्कार्पियो गाडी को चोरी करके चोर चम्पत हो गये ।कम्पनी के लोगों ने सुबह इस घटना को देखकर आवाक रह गये।मामले की सूचना थाने में दे दी गयी है ।चोरी की घटना थाने के बगल की है जिससे पुलिस भी इसे दबी जुबान से चुनौती ही समझ रही है।खबर लिखे जाने तक खुलासा नहीं हो सका है।

## जिलाधिकारी की अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की बैठक सम्पन्न

अमिट रेखा देवरिया ब्यूरो। जिलाधिकारी आशुतोष निरंजन की अध्यक्षता में भूतपूर्व सैनिकों की एक बैठक कलक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। इस दौरान उन्होने भूतपूर्व सैनिकों के व्यक्तिगत समस्याओं को भी सुना। कहा कि सैनिक हमारे देश की सुरक्षा के लिये अपनी सेवाये देते है। उनके समस्याओं का हर संभव समाधान हो यह सुनिश्चित कराया जायेगा। जिलाधिकारी श्री निरंजन ने बैठक में सैनिकों के शस्त्र रिन्यूअल जमीन संबंधित मामले आदि के निस्तारण कराये जाने संबंधित बिन्दु रखे जाने पर उन्होने कहा कि सैनिको की जो भी समस्यायें हो वे सैनिक कार्यालय के माध्यम से सूचीबद्ध करके जिला सैनिक कल्याण अधिकारी भेजेगें। प्राप्त सभी प्रकरणों का संज्ञान लिया जायेगा और उसका समाधान कराया जायेगा। भूतपूर्व कर्नल अरुण प्रकाश पाण्डेय द्वारा भूतपूर्व सैनिकों के लिये इसीएचएस योजना के लिये जमीन की उपलब्धता कराये जाने की बात रखी, जिस पर जिलाधिकारी उप जिलाधिकारी सदर से टेलीफोन पर वार्ता कर मुख्य राजस्व अधिकारी से समन्वय कर जमीन की उपलब्धता कराये जाने का निर्देश दिया। बैठक में भूतपूर्व सैनिक एवं उनके आश्रित यथा– मनन यादव, दिनेश मिश्र, राजेश सिंह, प्रभाकर मणि, तारकेश्वर त्रिपाठी, किशुनदेव चौरसिया, सतीश कुमार, चन्द्रदीप चौहान एवं सुरेन्द्र नाथ आदि ने अपनी समस्याओं को जिलाधिकारी के सामने प्रस्तुत किया। गहनता से सुनवायी उपरान्त उन्होने सभी प्रकरणों को जिला सैनिक कार्यालय को हस्तगत इस निर्देश के साथ किया कि सभी को सूचीबद्ध करते हुए प्रकरणों को प्रस्तुत करेगें। इस दौरान भूतपूर्व सैनिक आदि उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री ने अयोध्या सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया

लखनऊ,(यूएनएस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनपद अयोध्या में एक सड़क दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने मृतकों के परिजनों को 05–05 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस दुर्घटना में घायल व्यक्तियों के समुचित उपचार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

## हास्य नाटय खड़ी–हल्दी का मंचन

लखनऊ,(यूएनएस)। श्री रंग कला सेवा संस्थान, लखनऊ (रंगमंडल) द्वारा आयोजित नवीनतम हास्य नाटय प्रस्तुति खड़ी–हल्दी का मंचन आज संगीत नाटक अकादमी, गोमती नगर में किया गया। आज की प्रस्तुति की मुख्य अतिथि सयुंक्ता भाटिया महापौर नगर निगम, लखनऊ एवं वरिष्ट पत्रकार अजय कुमार ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के आयोजक, सत्यवान जायसवाल तथा इसका निर्देशन कर रहे विवेक मिश्रा विष्णु ने शानदार नाटक एवं अभिनय को मंच पर उतरा,नाटक खड़ी–हल्दी के लेखक युवराज ने आम परिवार का कोविड–19 में जीवन यापन को दर्शाया है। जिसमें एक पिता, जो की जितना बहार से सख्त अंदर से उतना ही सरल, एक माँ जिसकी दुनिया उसके घर की रसोई से शुरू हो कर महीने की राशन लिस्ट पर खत्म होती है, छोटा भाई जो घर के माहौल को हल्का करने में अहम भूमिका निभाता है और एक बड़ा भाई जो बहुत छोटी उम्र से ही बहुत बड़े सपने देख रहा है। चारो की छोटी से दुनिया है और उसमें होने वाले छोटे–छोटे किस्सों को सरलता से दर्शाने की कोशिश करता है। यह नाटक खड़ी–हल्दी–सख्त पर स्वास्थवर्धक और शुभ है। नाटक कोविड–19 की महामारी में आम परिवार का दैनिक जीवन–यापन दिखाने के साथ–साथ स्वछता का महत्व भी सिखाता है। मुख्य भूमिका में राजन, राहुल मिश्रा, सरला–पीहू गुप्ता, बिट्टू– शिवम् सिंह, सोनू रविंद्र यादव, आयोजक, सह–निर्देशन सत्यवान जायसवाल, जोगिन्दर, अभिषेक कुमार, अन्य–देव व्रत, अभिषेक, आर्यन, विकास, एंकरिंग– हिमांशु, वेशभूषा–संजय शर्मा है।

हिन्दी दैनिक

# अमिट रेखा

8

कुशीनगर बुधवार, 24 मार्च 2021

## कथावाचक महर्षि श्री दास जी ने ध्रुव और प्रहलाद की कथा का कराया रसपान

**– कथा में भगवान विष्णु और लक्ष्मी की विवाह का सुंदर प्रसंग सुन सभी श्रोता हुए भाव विभोर**

अमिट रेखा – अरविंद कुमार तर्कशील

जंगल नौगांवा – कुशीनगर। जनपद के दुदही विकास खंड के ग्राम पंचायत बैकुंठपुर धाम मे शिव मंदिर परिसर मे चल रही श्रीमद्भागवत कथा के तीसरे दिन कथावाचक महर्षि श्री दास जी ने ध्रुव और प्रहलाद की कथा का रसपान कराया। कथा

में भगवान विष्णु और लक्ष्मी की विवाह का सुंदर प्रसंग सुन सभी श्रोता भाव विभोर हो गए। इस दौरान बैकुंठपुर पुर धाम के तमाम गांव के हिंदू मुस्लिम भाइयों ने महाराज श्री का माला पहनाकर स्वागत अभिनंदन किया। कथा के क्रम में महाराज श्री दास जी ने कहा कि कर्म के द्वारा ही हम परमात्मा को प्राप्त करते हैं। परमात्मा ने भी इस मृत्युलोक में कर्म को प्रधान माना। सोमवार को संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ मुख्य जजमान सुग्रीम प्रधान ,पारस राय, सत्यदेव कुशवाहा, व कथा स्थल पर पहुंचे अतिथि मोहम्मद नूर आलम प्रधान प्रत्याशी जय शंकर निषाद प्रधान प्रत्याशी, वार्ड सख्या 54सेजिला पंचायत पद प्रत्याशी रमेश चंद कुशवाहा , मुख्तार अहमद, के द्वारा स्वागत बंदन से हुआ। इस दौरान विश्व सनातन संघ के कर्मठ व मेहनत शील योद्धाओं में अशोक कुशवाहा पत्रकार ,रंभू मद्धेशिया ,लल्लन निषाद, डॉ उमेश कुमार गुप्ता प्रधान प्रत्याशी, डॉ गौरी शंकर सिंह पटेल ,सिंहासन गिरी ,शिवम राय, अजय मद्धेशिया ,दिनेश मद्धेशिया ,भोला मद्धेशिया, अशोक मद्धेशिया, मैनेजर निषाद ,सुनिल सहित तमाम योधा मौजूद रहे।

## समाज के अंतिम व्यक्ति का भला करना भाजपा का लक्ष्य:डा.पीएन.राय

अमिट रेखा – अब्दुल आजम

गौरी श्रीराम – कुशीनगर। समाज के अंतिम व्यक्ति का उत्थान भाजपा का मूल मंत्रो मे एक है। और भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता हर स्तर से इस लक्ष्य के प्रति अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उक्त बातें युवा शक्ति संगठन दुदही के तत्वाधान में चाफ में आयोजित स्वास्थ्य मेला मे बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए वरिष्ठ भाजपा नेता डा.पीएम राय ने कहा। इस अवसर पर जिले के प्रमुख चिकित्सकों ने दूरदराज से आए सैकड़ों मरीजों की मुफ्त मे जांच और परामर्श दिया और दवाएं वितरण किया गया। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुऐ। डा.राय ने कहा कि पूज्य योगी महाराज (वर्तमान मुख्यमंत्री) के आदर्शों के अनुरूप वंचित और कमजोर तबके के लोगों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा दिलाने की दिशा में उनके स्तर से युवा शक्ति संगठन की टीम के साथ प्रत्येक टोलों, ग्राम पंचायत में ऐसे स्वास्थ्य मेलों के आयोजन की योजना बनी है। और भरसक कोशिश कर के सभी लोगो तक इस योजना का लाभ दिलाया जाएगा। इस अवसर पर डा.अमृता राय भी मौजूद रही साथ ही युवा शक्ति संगठन दुदही के पदाधिकारी कमलेश राज,शेख आजाद आलम, बबलु मिश्रा,मो. आजम, राजन,दीपक,विशाल,संतोष कुमार यदुवंशी,राजेश कुमार यादव आदि ने आयोजन में सहयोग किया डा.अमृता राय भी मौजूद रही।

## सेंट एंड्रयूज स्कूल पांडेयपुर मुंडेरा के बच्चों को किया गया पुरस्कृत

अमिट रेखा नन्दू राय उर्फ आनन्द राय।

पथरदेवा देवरिया। पथरदेवा के पांडेयपुर में स्थित सेंट एंड्रयूज स्कूल में पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि सपा नेता मा0 संजय

कुमार मल्ल एवं थाना बघौचघाट उप निरीक्षक श्री परमात्मा राय रहे जिनके द्वारा बच्चों को पुरस्कृत किया गया।।विद्यालय के प्रबंधक डा0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव एवं प्राधनाचार्य हृदयानंद चौरसिया , मंजू श्रीवास्तव व प्रदीप शर्मा ,कुँवर सिंह , अमित चौरसिया राधे यादव ,प्रभुनाथ ,धर्मेन्द्र पटेल ,शेषनाथ यादव रामशंकर मिश्र ने सभी अतिथियों का भव्य स्वागत किया। विद्यालय के प्रबंधक डा0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि मा0 संजय कुमार मल्ल समाजवादी नेता व उप निरीक्षक बघौचघाट परमात्मा राय को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन प्रबंधक पुत्र गुंजन प्राणेश कुमार श्रीवास्तव ने किया। इस बीच विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना शिक्षक समाज के द्वारा किया गया।

## नवागत थानाध्यक्ष ने सम्भाला पदभार अपराध नियंत्रण को बताया प्राथमिकता

अमिट रेखा–अल्केन्द्र पाण्डेय तहसील प्रभारी

तमकुहीराज–कुशीनगर। जनपद के बरवां पट्टी थाने पर तैनात प्रभारी निरीक्षक अमरेन्द्र कन्नौजिया का अन्तर्जनपदीय

स्थानान्तरण हो जाने के बाद नवागत थानाध्यक्ष सुरेश चन्द्र राव ने पदभार ग्रहण करते हुए पत्रकार वार्ता के दौरान बताएं कि अपराध नियंत्रण ही पहली प्राथमिकता होगी। फरियादियों के साथ मानवता पूर्ण ब्यवहार किया जाएगा। क्षेत्र में अमन–चौन कायम करने के लिए अपराधियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्यवाही किया जाएगा। उन्होंने अपने मातहतों को दिशा निर्देश दिया कि थाना क्षेत्र बिहार राज्य से जुड़ा हुआ है और होली का पर्व नजदीक है। ऐसे में सतर्कतापूर्ण शराब कारोबारीयों को चिंहित करें तथा अपने अपने क्षेत्र में अपराध के मामले में कोई समझौता न करें। चाहें वह ब्यक्ति आम हो या खास। पत्रकार वार्ता के माध्यम से उन्होंने ब्यापारियों व क्षेत्रीय लोगों से अपील किया कि किसी से भी डरने की जरूरत नहीं है। अगर कोई आप को तंग करता है तो उसकी तत्काल सूचना जरिए मोबाइल पुलिस को दें। पुलिस आपकी सेवा में चौबीस घंटे तत्पर रहेगी। उन्होंने अपील किया कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का प्रयोग करें व किसी से भी फोन पर बात न करें और नाही इयरफोन का प्रयोग करें।

## ब्यूटी वर्ल्ड पार्लर का भव्य उद्घाटन किया गया

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

देवरिया। कॉपरेटिव चौराहा निकट पुराना बस स्टेशन के पास ब्यूटी वर्ल्ड पार्लर का भव्य उद्घाटन किया गया । वही कार्यक्रम में शिरकत

करने आई नगर पालिका अध्यक्ष अलका सिंह के द्वारा फीता काटकर ब्यूटी वर्ल्ड पार्लर का शुभारंभ किया गया । इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि आज ब्यूटी वर्ल्ड पार्लर का उद्घाटन हुआ है, इसमें काफी जगह है जो ट्रेनर है वह काफी अच्छी ट्रेनिंग लेकर यहां पर आए हैं । यहां महिलाओं के लिए सभी सुविधाएं हैं महिलाएं बेझिझक यहां पर आ सकती हैं । सरिता चौरसिया जी के द्वारा इस तरह के पार्लर जनपद में और भी खुले हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं । वही ब्यूटी पार्लर के केयरटेकर का कहना था कि हमने यहां पर एक फर्म का स्थापना किया है, यहां सिर्फ महिलाओं के लिए सारी व्यवस्था की गई है । इस तरह के पार्लर बड़े शहरों में अभी तक खुले हैं छोटे शहरों में इस तरह के पार्लर नहीं थे यहां सभी सुविधाएं हैं । आप एक बार सेवा का मौका दे सकते है । इस दौरान जितेंद्र जायसवाल बंटी, अजय सिंह गोविंद चौरसिया राजन सिंह आशुतोष उपाध्याय आदि लोग मौजूद रहे।

## सामान्य पंचायत चुनाव 2021निष्पक्ष शान्तिपूर्ण कराने हेतु जिलाधिकारी ने के बैठक

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। जिलाधिकारीधनिर्वाचन अधिकारी डा0उज्ज्वल कुमार की अध्यक्षता मेंकलेक्ट्रेट सभागार मेंसामान्य पंचायत चुनाव 2021 को निष्पक्ष

व शान्तिपूर्ण कराने हेतु जोनलआब्जेक्टर मजिस्ट्रेट,सहायक निर्वाचन अधिकारियो के साथ बैठक की गयी। बैठक मेंजिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी सम्बन्धित अधिकारी शान्ति पूर्ण,स्वंतत्र तथा निष्पक्ष रूप से चूनाव कराने हेतू कमर कस लें। इसमें निर्धारित स्थल का दौडा कर पूरी चुनाव से सम्बन्धित प्रक्रियाओं से समबन्धित चीजो का भलिभाति देख लें। किसी चीज की मतदान स्थल पर आवश्यकता है तो उसे पूरा कराये, मतदान स्थल की दूरी आने जाने का रास्ता अपने नक्शे में उतारे, जिससे मतदान के समय समस्या न उत्पन्न हो। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल, सभी एसडीएम,तहसीलदार,बीडीओ सहित अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

## अवैध शराब बनाने एव बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

**– उपमिश्रित शराब रैपर बारकोड व शराब बनाने के उपकरण सहित दो अभियुक्त गिरफ्तार**

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। मुखबिर की सूचना पर थाना बिशनपुरा के ग्राम गोविंद पट्टी के एक मकान में उपमिश्रित

जनपद में आगामी पंचायत चुनाव और त्योहारों के दृष्टिगत अवैध शराब बिक्री परिवहन व निष्कर्षण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बिशनपुरा पुलिस टीम द्वारा स्पीट से अवैध शराब बनाकर उत्तर प्रदेश बिहार में बिक्री हेतु तैयार की जा रही अवैध शराब को बरामद किया गया दबिश के दौरान मौके से दो अभियुक्त रतन चौधरी पुत्र स्वर्गी राम पटेल नगाड़े थाना धनघटा जनपद संत कबीर नगर गौरव सिंह उर्फ मुन्ना सिंह पुत्र श्याम जी सिंह प्राचीन चकिया थाना रामकोला जनपद कुशीनगर को गिरफ्तार किया गया तथा मौके से तीन आदत गत्ते कुल तीन बंडल रेफर लगभग 7600 बंडल ढक्कन लगभग 9 हजार बंडल बारकोड लगभग 5000, 20 लीटर की 20 गत्ता प्लास्टिक की सीसिया जिसमें 400 लीटर उप मिश्रित शराब 14 अदद सीसी 200उस की बंटी बबली शराब 114 खाली सीसी प्लास्टिक 200उस की प्लास्टिक के 1 पैकेट में 500 ग्राम नौसादर जामा काला टीका 1000 , दो आदत मोबाइल तथा शराब के परिवहन हेतु ले जाने वाली एक आदत गाड़ी स्विफ्ट डिजायर गाड़ी संख्या यूपी 78 बीक्यू 0 50 2 अगस्त मोटरसाइकिल यूपी 58 डब्लू 4933 यूपी 57 डब्लू 6763 तथा दो आदत अवैध तमंचा 315 बोर चार आदत जिंदा कारतूस 315 बोर बरामद किया गया बरामदगी और गिरफ्तारी के आधार पर थाना स्थानीय पर मुकदमा संख्या54ध21धारा 419ध420ध467ध468ध471ध272 भादवी60ध72 आबकारी अधिनियम तथा63ध64 कॉपीराइट एप्स मुकदमा संख्या 55ध21धारा 3ध25 आर्म्स एक्ट बनाम रतन चौधरी तथा मुकदमा संख्या 56ध21 धारा 3ध25 आर्म्स एक्ट बनाम गौरव सिंह पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है बरामदगी करण 3 बंडल रैपर लगभग घ7000 हजार रुपए 6 बंडल ढक्कन लगभग 9000 रुपए एक बंडल बारकोड लगभग 5000 रुपए 20 लीटर की 20 आदत प्लास्टिक की पीपीया जिसमें 400 लीटर उप मिश्रित शराब व 14 सीसी बंटी बबली शराब 114 खाली सी सी प्लास्टिक और एक शिफ्ट डिजायर चार पहिया वाहन और दो मोटरसाइकिल बरामद की गई गिरफ्तार करने वाली टीम एसओ संजय कुमार थाना बिशनपुरा कुशीनगर उप निरीक्षक विमलेश कुमार गुप्ता उपनिरीक्षक संतराज यादव थाना बिशनपुरा हेड कांस्टेबल शशिकांत यादव हेड कांस्टेबल शिवजी यादव थाना बिशनपुरा जनपद कुशीनगर में टीम थाना बिशनपुरा कुशीनगर पुलिस उपमहानिरीक्षक पुलिस अधीक्षक कुशीनगर द्वारा गिरफ्तार करने वाली टीम को उत्साहवर्धन हेतु घ50000 नगद पुरस्कृत किया गया।

## विश्व भूजल दिवस पर प्रधानमंत्री द्वारा सम्बोधन कार्यक्रम में जिलाधिकारी,सीडीओ व सम्बन्धित अधिकारी गण

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। विश्व भूजल दिवस के शुभ अवसर पर मा0 प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र दास मोदी द्वारा बीडियों कांफ्रिंग के माध्यम जल संचय कार्यक्रम में देश वासियों को सम्बोधित पूर्व 5 ग्राम सरपंचो से वार्ता कर जल संचय की जानकारी ली । यह कार्यक्रम कलेक्टेट सभागार में जिलाधिकारी,सी डी ओ व ज्वाइन्ट

मजिस्टेट तेजा साई सिलम की उपस्थिति में कार्यक्रम सम्मन्न हुआ । इस अवसर पर जल शक्ति अभियान के अन्तर्गत अटल भू जल में केन नदी मध्यप्रदेश व वेतवा नदी उ0प्र0 को जोडने की कार्यवाही पूरी की गयी । प्रधान मंत्री ने जल सचयन कार्यक्रम में कहा कि मानसून पूर्व पूरी तैयारिया पूर्ण कर ली जाय । मनरेगा का पैसा पानी सचंय करने में अधिक किया जाय । यह योजना शहर व ग्रामीण क्षेत्रो में किया जा रहा है । पानी की महत्ता,पवित्रता को समझते हुए पानी बचाने का कार्य करना होगा । पानी खर्च व बचाव का समाधान भी ढुढना है । वर्षा का जल बहकर नुकसान हो जाता है इसे संचय कर खेतो की सिचाई व स्वच्छ जल पीने हेतु कार्य किया जाय । उक्त अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गौरव सिंह सोगरवाल ने अपने सम्बोधन में कहा कि जल सरक्षत एंव सर्वधन सामुदायिक प्रयास से वैश्विक चुनौती के रूप में लेना होगा । पानी जीवन का अहम हिस्सा है इसके बिना हमें कुछ भी मिलना सम्भव नही है । जिलाधिकारी डा0उज्ज्वल कुमार ने कहा कि यहा पानी की बहुतायता है परन्तु पीने की स्वच्छ पानी नही है इसके लिए जल शक्ति मिशन के तहत पाईप लाइन पेय जल का कार्य किया जा रहा है इसमें पानी टोटी को आगे आकर लेने की आवश्यता जिससे स्वच्छ जल स्वस्थ जीवन को साकार किया जा सके । उन्होने यह भी बताया कि हर गाव में ओभर टैक का कार्य होगा इसके लिए जे0एम0सी0 प्रोजेक्ट कार्य कर रही है । उन्होने कहा कि बरसात के दिनो में पानी को उबाल कर ही ले । किसी प्रकार की कोई दिक्कत है तो नजदीकी सरकारी हास्पीटल में जाये । उक्त अवसर पर अधिशासी जल निगम ए के अग्रवास,डीपीआर ओ,सहित भारी सख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

## देवरिया के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र तरकुलवा पर ग्राम तवाकलपुर से 50 साल से ऊपर के लोगों को कोरोना का टीका लगाया गया

सोनू कुमार–

अमिट रेखा तरकुलवा देवरिया। विकासखंड तरकुलवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कुल 58 का टीकाकरण हुआ। जिस में तरकुलवा की सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डॉ अमित कुमार एवं हेल्थ सुपरवाइजर मुन्ना यादव द्वारा गांव–गांव में जाकर के 50 साल से अधिक उम्र के लोगों को टीकाकरण के लिए उत्साहित कर रहे हैं जिससे गांव में काफी लोग उत्साह पूर्वक कोरोना का टीका लगवा रहे हैं इस कार्य में डॉ विनोद चौधरी, कादंबरी स्टाफ नर्स अनिल कुमार रितेश सिंह जयप्रकाश यादव टीका कर्मी सीमा यादव अपने कार्यों को काफी सराहनीय ढंग से कर रहे हैं।

## जिलाधिकारी कुशीनगर के आदेश पर होली के पर्व पर मिलावटी खाद्य पदार्थ और पेय पदार्थ के विरुद्ध चलाया अभियान

अमिट रेखा – निखिल कुमार/स्वतंत्र

कसया – कुशीनगर। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उ0प्र0 लखनऊ व जिलाधिकारी कुशीनगर के आदेश के पालन में होली पर्व के अवसर पर आम जन मानस को सुरक्षित खाद्यध्पेय पदार्थ उपलब्ध कराये जाने हेतु मिलावटी खाद्य पदार्थो के विरूद्ध विशेष अभियान के तहत अभिहित अधिकारी मानिक चन्द्र सिंह के निर्देशन में एवं मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी अन्जनी कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में नीचे लिखे विवरण के अनुसार अभियान चलाकर नमूना संग्रह किया गया।क्रम संख्या खाद्य कारोबारकर्ता का नाम स्थान का नाम संग्रहित नमूना सीज की गयी खाद्य पदार्थ की मात्रा (कि0ग्रा0 में) सीज की गयी खाद्य पदार्थ की अनुमानित मूल्य मनोज जायसवाल सेवरही रिफाइण्ड पामोलिन आयॅल (स्टार लाइफ गोल्ड) 212 37100 परमहंस बर्नवाल सेवरही धनिया कैलाश जायसवाल सपहा रोड कसया शम्भू सपहा रोड कसया रस्क अंगद ठाकुर बाई पास कसया नमकीन नौशाद (फैमिली बेकर्स) बाई पास कसया रस्क (रायॅल) 182 18240मन्टू मद्धेशिया गुरवलिया खोया उक्त अभियान के दौरान कुल खाद्य पदार्थ–394 कि0ग्रा0, सीज किया गया, जिनका अनुमानित मूल्य रू0–55340ध अभिहित अधिकारी द्वारा बताया गया कि लिये गये नमूने जॉच हेतु प्रयोगशाला भेज दिये गये है। जॉच रिपोर्ट प्राप्त होने के उपरान्त सम्बन्धित खाद्य कारोबारकर्ता के विरूद्ध विधिक कार्यवाही कि जायेगी। तथा यह अभियान अनवरत जारी रहेगा। छापेमारी टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी, श्री पंकज कुमार कन्नौजिया, श्री सच्चिदानन्द गुप्ता, श्री बृजेश कुमार, सम्मिलित थे।

## अनियंत्रित बाईक पेड़ से टकराने से युवक घायल

अमिट रेखा दिनेश गुप्ता

भटनी देवरिया। उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के भटनी थाना क्षेत्र के भटनी ब्लॉक से कुछ ही दुरी पर एक अनियंत्रित बाईक पेड़ से

टकराने से एक युवक घायल युवक साहोपार महुआबारी का बताया जा रहां है युवक का नाम धर्मेंद्र कुमार यादव है पुत्र दयाशंकर यादव युवक किसी कार्य वस चांदपार चौराहे पर आया था जब युवक चांदपार चौराहे से अपने घर के लिये चले की अभी कुछ ही दुरी पर पहुंचे थे की उनकी बाइक अनियंत्रित होकर भटनी ब्लॉक गेट से सौ मिटर पहले ही पेड़ से टकरा गई जिससे धर्मेंद्र कुमार यादव को काफी चोट आई जब इसकीसुचना घर वालों को लगी तो घरवालों ने युवक को आनन फानन में देवरिया जिलाअस्पताल लेजाया गया। जहाँ डाक्टरों ने युवक की गम्भीर स्थिति देख गोरखपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया समाचार लिखे जाने तक युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई हैं।

## कच्ची शराब कारोबारियों पर फरेंदा कोतवाल गिरजेश उपाध्याय ने कसी नकेल

अमिट रेखा सुनील पांडेय

ब्यूरो महाराजगंज। फरेंदा तहसील क्षेत्र के अल्हदीया महदेवा उर्फ घोड़सारे में कच्ची शराब कारोबारियों पर पुलिस ने कसी नकेल

तोड़ी भट्टीश नष्ट की लहन–आपको बता दें कि – फरेंदा पुलिस क्षेत्राधिकारी अशोक कुमार मिश्र के निर्देश पर फरेंदा पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम द्वारा घोडसारे में कच्ची शराब के विरुद्ध दबिश देकर 42 कुंतल लहन नष्ट किए साथ ही साथ 65 लीटर कच्ची शराब बरामद किए। आबकारी स्पेक्टर रवि विद्यार्थी के साथ फरेन्दा कोतवाल गिरिजेश उपाध्याय एस आइ विशाल सिंह पुलिस बल के साथ अल्हदिया महदेवा उर्फ घोड़सारे में सूचना पाकर पहुंची फरेंदा पुलिस व आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने ताबड़ तोड़ छापेमारी कर 42 कुंटल लहन नष्ट किए तथा 65 लीटर कच्ची शराब भी बरामद किए। पुलिस के ताबड़ तोड़ छापेमारी से कच्ची शराब कारबारियों में हड़कंप मच गया।

## सीएम योगी आदित्यनाथ ने दिया आदेश,यूपी में कोरोना की वजह से 31 मार्च तक कक्षा 1 से 8वीं के सभी स्कूल बंद

खजनी गोरखपुर। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस एक बार फिर डराने लगा है। तेजी से पांव पसार रहे कोरोना वायरस के संक्रमण को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 31 मार्च तक कक्षा एक से आठ तक के सभी स्कूलों को बंद करने का आदेश दिया है। उन्होंने कक्षा एक से आठ तक के सभी परिषदीय और निजी स्कूलों में दिनांक 24 से 31 मार्च तक और अन्य शिक्षण संस्थानों में जहां पर परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रही हैं, वहां 25 से 31 मार्च तक अवकाश करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने सरकारी आवास पर सोमवार को आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में कहा कि लोगों को कोरोना संक्रमण से बचाव के संबंध में लगातार जागरूक किया जाए। होली का त्योहार व अन्य पर्वों के साथ पंचायत चुनाव और अन्य राज्यों में लगातार बढ़ रहे कोरोना संक्रमण को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में पंचायत स्तर पर और शहरों में वार्ड स्तर पर नोडल अधिकारी या कर्मचारी तैनात करने को कहा है।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक मुद्रक तथा सम्पादक अमरनाथ पाण्डेय द्वारा अमिट प्रिन्टर्स कालेज रोड फाजिलनगर से मुद्रित ग्राम बरदहा पाण्डेय फाजिलनगर कुशीनगर से प्रकाशित।

सम्पादक
अमरनाथ पाण्डेय
मो. – 9532989009

उप सम्पादक – के.के. राय
सह. सम्पादक- चन्द्रशेखर यादव
प्रदेश प्रभारी- राजू प्रसाद श्रीवास्तव
मो०- 9792617070
विज्ञापन व्यवस्थापक- नसरूल्लाह अंसारी
प्रबंधक- निखिल कुशवाहा
ईमेल : amitrekhaksn@gmail.com